किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊँचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें
7018631199

« आपकी आवाज़ »

हिमालयन अपडेट

www.himalayanupdate.com

Postal Regd. No.: HP/128/SML/2020-22

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.com
दूरभाष नं.
7018631199

वर्ष 5 | अंक 15 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 19 – 25 जुलाई 2021 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/2017/73579

हिमाचल को पीएम नरेंद्र मोदी की शाबाशी, प्रदेश का वैक्सीनेशन मॉडल सराहा

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

देश में सबसे सफल टीकाकरण अभियान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल सरकार के मॉडल की सराहना की है। देशभर में वैक्सीनेशन की रफ्तार को सबसे आगे ले जाने और जीरो वेस्टेज पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को शाबाशी मिली है। हिमाचल में 61.2 फीसदी लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली और 18.3 फीसदी को दोनों डोज लग चुकी है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 45 मिनट तक मंत्रणा की।

इस दौरान उन्हें हिमाचल की तीन महत्त्वपूर्ण विद्युत परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास के लिए प्रदेश में आने का न्योता भी दिया गया। इसके अलावा राज्य की बहुप्रतीक्षित बल्क ड्रग पार्क और एडीबी फंडिड परियोजना की मंजूरी की भी सीएम ने जोरदार पैरवी की। मुख्यमंत्री ने मंडी जिला की ग्रीनफील्ड नागचला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और प्रदेश की तीनों महत्त्वपूर्ण हवाई पट्टियों का मामला भी प्रधानमंत्री से उठाया। प्रदेश की रोप–वे परियोजनाओं सहित फोरलेन और नेशनल हाइ–वे प्रोजेक्टों को गति देने की भी प्रधानमंत्री से पैरवी की। पीएम के बुलावे पर दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री के कार्यालय में उनसे भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य सरकार द्वारा अपनाए जा रहे कोविड प्रोटोकॉल और टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना की दूसरी लहर से सफलतापूर्वक निपटने संबंधी जानकारी देते हुए संभावित तीसरी लहर से निपटने के प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को बाढ़ की घटनाओं से हुए नुकसान की जानकारी दी

शिमला, हिमालयन अपडेट

शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को हाल ही में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ की घटनाओं के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने जानकारी दी कि जिला प्रशासन एनडीआरएफ के सहयोग से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने और पुनर्वास के लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। जिन लोगों के मकान इस आपदा में क्षतिग्रस्त हुए हैं उन्हें भी सरकार मकान बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। राज्यपाल ने इस प्राकृतिक आपदा के मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि राज्य सरकार उन सभी परिवारों को सहायता प्रदान कर रही है जिनके घर आपदा में क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

दिल्ली, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अपनाए जा रहे कोविड प्रोटोकॉल और टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना की दूसरी लहर से सफलतापूर्वक निपटने संबंधी जानकारी देते हुए संभावित तीसरी लहर से निपटने के प्रबंधों के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने टीकाकरण कार्यक्रम को तेजी से निष्पादित करने के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी।

जय राम ठाकुर ने प्रधानमंत्री से राज्य को बल्क ड्रग एवं मेडिकल डिवाइसेज पार्क स्वीकृत करने का आग्रह किया, जिससे प्रदेश में न केवल औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि रोजगार सृजन भी होगा। उन्होने प्रदेश में हवाई संपर्क सदृढ़ करने के लिए मंडी जिला के नागचला में प्रस्तावित हवाई अड्डे के निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने की मांग की। उन्होने इस अवसर पर प्रदेश में सड़क नेटवर्क सुदृढ़ करने के बारे में भी चर्चा की।

उन्होंने प्रधानमंत्री से पर्यटन अधोसंरचना विकास परियोजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार को भेजे गए वित्त पोषण दस्तावेज को स्वीकृत करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से 111 मेगावाट क्षमता की सावड़ा–कुड्डू जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन करने तथा सतलुज जलविद्युत निगम द्वारा निर्मित 210 मेगावाट लुहरी स्टेज–1 तथा 66 मेगावाट धौलासिद्ध परियोजनाओं के शिलान्यास करने का भी आग्रह किया। उन्होने प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी और संयोजकता को

शेष पृष्ठ 2 पर...

मुख्यमंत्री ने बालीचौकी में 2.28 करोड़ रुपये लागत की परियोजनाएं लोगों को समर्पित की

शिमला, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र के बालीचौकी में 2.28 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाएं लोगों को समर्पित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बालीचौकी में 1.18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन तथा 1.10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कोषाधिकारी कार्यालय भवन एवं सहायक अभियन्ता लोक निर्माण विभाग के कार्यालय का भी लोकार्पण किया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि इतिहास में पहली बार किसी सरकार को कोरोना संक्रमण जैसे कठिन दौर का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस चुनौती को न केवल सफलतापूर्वक पार किया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि प्रदेश में विकास कार्य अविरूद्ध न हों और लोगों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सर्वांगीण व संतुलित विकास के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार उन क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, जो अभी तक किन्हीं कारणों से उपेक्षित रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का विगत साढ़े तीन वर्षों का कार्यकाल विकास व उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जहां एक ओर प्रदेश में अनेक नई जन कल्याणकारी योजनाएं कार्यान्वित कीं, वहीं प्रदेश में अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष बल दिया है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि बालीचौकी क्षेत्र में 25.82 करोड़ रुपये की लागत से थलोट–पंजाई सड़क स्तरोन्नत की जा रही है, जबकि बालीचौकी में 10 करोड़ रुपये की लागत से मिनी सचिवालय भवन का निर्माण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बालीचौकी में ही 17.50 करोड़ रुपये व्यय कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन के निर्माण के साथ साथ 4.50 करोड़ रुपये की लागत से सेरीकल्चर भवन का निर्माण भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि थलोट में ब्यास नदी पर बनने वाले पुल के लिए 14 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं जबकि बुराह–पंजाई वाया घाट मुहाट 11 किलोमीटर लम्बी सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

जय राम ठाकुर ने बालीचौकी में तीर्थन खड्ड पर 4.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुल का भी निरीक्षण किया तथा

शेष पृष्ठ 2 पर...

शिमला जिले के कोटखाई और जुब्बल में खुलेंगे एसडीएम कार्यालय: जय राम ठाकुर

शिमला, हिमालयन अपडेट

शिमला जिले के जुब्बल–कोटखाई विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए 16 जुलाई एक स्मरणीय दिन रहा क्योंकि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने खड़ापत्थर में जिला स्तरीय स्वर्ण जंयती ग्राम स्वराज सम्मेलन के दौरान पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए दो एसडीएम कार्यालय खोलने की घोषणा की। इनमें एक एसडीएम कार्यालय जुब्बल जबकि दूसरा कोटखाई में खोला जाएगा। उन्होंने मण्डी मध्यस्थता योजना के अन्तर्गत सेब खरीद के मूल्य में एक रूपया प्रति किलो वृद्धि की घोषणा भी की।

जय राम ठाकुर ने कोटखाई में खण्ड विकास कार्यालय, टिक्कर में अग्निशमन उपकेंद्र, कलबोग में उप–तहसील खोलने और उप–तहसील सावड़ा (सरस्वती नगर) और पुलिस स्टेशन सावड़ा को एचपी पावर कॉरपोरेशन के नए भवन में स्थानातंरित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि रोहड़ू और जुब्बल–कोटखाई विधानसभा क्षेत्रों में सृजित 9 नई पंचायतों के भवन निर्माण के लिए 20 लाख प्रति पंचायत की राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थानों के लिए धन की पर्याप्त उपलब्धता है और निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी–अपनी पंचायतों के विकास के लिए नवीन सुझाव और योजनाएं सामने रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है लेकिन कोरोना महामारी के कारण इन संस्थानों की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं।

जय राम ठाकुर ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है और हमारा प्रदेश व देश भी इससे अछूता नहीं है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा समय पर लिए गए प्रभावी निर्णयों के फलस्वरूप देश को न्यूनतम नुकसान हुआ और अब राष्ट्र इस विकट स्थिति से धीरे–धीरे उबर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि महामारी के कारण प्रदेश का विकास बाधित न हो। राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान भी चार हजार करोड़ रूपये की विकासात्मक परियोजनाओं के वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण और शिलान्यास किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल के साढ़े तीन साल पूर्ण कर लिए हैं, जो उपलब्धियोंपूर्ण रहे हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर...

राज्यपाल ने कौशल विकास निगम के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण बढ़ाने पर बल दिया

शिमला, हिमालयन अपडेट

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शुक्रवार को राजभवन में कौशल विकास निगम की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने पोस्ट कोविड प्रबंधन कार्यक्रमों पर जोर देते हुए स्वास्थ्य संबंधी भूमिकाओं जैसे आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन, सामान्य ड्यूटी सहायक (जीडीए), जीडीए गंभीर रोगियों की देखभाल, गृह स्वास्थ्य सहायता, चिकित्सा उपकरण प्रौद्योगिकी सहायता आदि पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि उद्योग की आवश्यकताओं को समेकित किया जाए और सभी पात्र उम्मीदवारों को अवसर दिए जाएं तथा युवाओं को ऑक्सीजन रिफिल स्टेशनों व ऑक्सीजन संयंत्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण संरचनाओं और प्रशिक्षण उपकरणों की खरीद पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

आर्लेकर ने कहा कि कौशल विकास निगम के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को पर्यटन एवं आतिथ्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रिम प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने सभी ग्रामीण आजीविका केंद्रों को निर्धारित समय अवधि के भीतर पूरा करने को कहा। उन्होंने निगम द्वारा की गई पहल की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को कौशल के माध्यम से रोजगार प्रदान करने की दिशा में अधिक काम करेगा।

निगम की महाप्रबंधक नीरज चंदला ने राज्यपाल को निगम की गतिविधियों से अवगत करवाया और पावरवइंट

शेष पृष्ठ 2 पर...

घर बैठे अपनी प्रति मंगवाने / बुक करवाने के लिए सम्पर्क करें

शिमला
ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश हि.प्र.- 171006

चौपाल
हिमालयन अपडेट केयर आफ गोगटा लोकमित्र केंद्र मडावग, डाकघर मड़ावग, तहसील चौपाल, जिला शिमला हिप्र-171211

रामपुर बुशहर डिजीटल सेवा सिटी पुलिस चौकी के पास, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश-172001

हमीरपुर 118 प्रतापनगर, वार्ड नं 3, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

मंडी एनजीपी ई-स्मार्ट लाईफ, केनरा बैंक के पास, नया बस स्टैंड, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी.175002

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रही मुख्यमंत्री एक बीघा योजना

मंडी, हिमालयन अपडेट

हिमाचल सरकार की 'मुख्यमंत्री एक बीघा योजना' ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में बहुत मददगार साबित हो रही है। प्रदेश में हजारों की संख्या में पात्र लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। मंडी जिला में भी 'मुख्यमंत्री एक बीघा योजना' का लाभ लेने वालों की तादाद में दिनों दिन इजाफा हो रहा है। योजना के तहत जिला में 800 कार्यों पर 3.59 करोड़ से ज्यादा खर्चे जा रहे हैं।

बता दें, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने 21 मई, 2020 को इस महत्वाकांक्षी योजना का शुभारम्भ किया था। इस योजना को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से जोड़ा गया है ताकि ग्रामीण आर्थिकी को बल मिल सके। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्वरोजगार से जुड़े विभिन्न व्यक्तिगत विकास कार्यों के लिए मदद ले सकती हैं।

मंडी के जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी नवीन शर्मा बताते हैं कि योजना के अंतर्गत एक महिला या उनका परिवार जिनके पास एक बीघा (या 0.4 हेक्टेयर) तक की भूमि है, वह व्यक्तिगत विकास कार्यों के लिए मदद ले सकते हैं। इसमें सब्जियों और फलों को उगाने के लिए बैकयार्ड किचन गार्डन तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा योजना के तहत महिलाएं भूमि विकास कार्य, जलसंरक्षण संरचना निर्माण, वर्मी कम्पोस्ट बनवाने जैसे एक लाख रुपये तक के विभिन्न कार्य करवा सकती हैं। स्वरोजगार से जुड़े अन्य व्यक्तिगत विकास कार्यों के लिए भी इसमें मदद दी जा रही है।

1,847 कार्यों को स्वीकृति

परियोजना अधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत मंडी जिला में जून माह के अंत तक 3,034 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 1,847 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जिसमें सराज विकास खंड में 56, बालीचौकी में 102, चौंतड़ा में 536, बल्ह में 133, धर्मपुर में 142, गोहर में 65, सुन्दरनगर विकास खंड में 332, गोपालपुर में 141, द्रंग में 46, सदर में 238 तथा करसोग विकास खंड में 56 कार्य सम्मिलित हैं।

उन्होंने बताया कि 1,847 कार्यों में से 800 कार्य आरंभ किए जा चुके हैं, इनमें से 243 कार्य पूरे भी कर लिए गए हैं। योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 47 लाख 36 हजार रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है तथा 2 करोड़ 11 लाख 85 हजार रूपये की राशि वर्तमान में चल रहे कार्यों पर व्यय की जा रही है।

ऐसे लें योजना का लाभ

नवीन शर्मा का कहना है कि इस योजना के तहत लाभार्थी अपना काम मनरेगा शैल्फ में शामिल करवा सकते हैं, यदि किसी का नाम मनरेगा शैल्फ में नहीं है तो वे पंचायत से मंजूरी लेकर भी योजना का लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि मंडी जिला में 5000 से ज्यादा स्वयं सहायता समूह पंजीकृत हैं, जिनसे करीब 35 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। वे इस योजना का लाभ ले सकती हैं। इसके लिए संबंधित बीडीओ कार्यालय से भी जानकारी ली जा सकती है।

लाभार्थियों ने किया सीएम का धन्यवाद

योजना का लाभ पाने वाले लाभार्थियों ने ग्रामीण जनता के लिए लाभकारी इस योजना को आरंभ करने के लिए मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर का दिल से धन्यवाद किया है।

योजना के सैंकड़ों लाभार्थियों की तरह ही मंडी जिला की ग्राम पंचायत कोठी के टिक्करी गांव की रीना देवी और ग्राम पंचायत बाल्ट के रठोह गांव की मंजू देवी मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर का बारंबार आभार जताते हुए बताती हैं कि उन्होंने योजना की मदद से अपना किचन गार्डन तैयार किया है, जिसमें अभी मौसमी सब्जियां लगाई हैं। इससे न केवल घर–गृहस्थी की जरूरतें पूरी हो रही हैं बल्कि इससे अतिरिक्त आमदनी का भी रास्ता बना है।

वहीं ग्राम पंचायत दियारगी की निर्मला देवी बताती हैं कि वे योजना के की मदद से अपने पशुओं के लिए गौशाला बनवा रही हैं। उन्हें इसके लिए सरकार से 35 हजार रुपये की मदद मिली है, जिसके लिए वे मुख्यमत्री श्री जय राम ठाकुर की तहेदिल से आभारी हैं।

क्या कहते हैं जिलाधीश

जिलाधीश अरिंदम चौधरी का कहना है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने को चलाई सभी सरकारी योजनाओं का मंडी जिला में प्रभावी कार्यान्वयन तय बनाया गया है। इस ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर बनें। मुख्यमंत्री एक बीघा योजना इसमें कारगर रही है। ये परिवार की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही अतिरिक्त आय का साधन भी बनी है।

एनसीसी के तीनों विंग शुरू करने वाला प्रदेश का पहला महाविद्यालय बना बंगाणा: वीरेंद्र कंवर

ऊना, हिमालयन अपडेट

ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि, मत्स्य तथा पशु पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा है कि अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय महाविद्यालय बंगाणा प्रदेश का पहला ऐसा कॉलेज बन गया है, जहां पर एनसीसी के तीनों विंग शुरू हो गए हैं। यह सभी विंग इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनसीसी नेवल विंग की 5 सीट महाविद्यालय को मिली हैं, जबकि एनसीसी एयरविंग सीनियर डिवीजन की 10 सीटें बंगाणा महाविद्यालय को देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आर्मी विंग पहले से चल रहा है।

वीरेंद्र कंवर ने कहा कि एनसीसी के सभी विंग क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ी सौगात हैं क्योंकि कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र से बहुत सारे युवा सेना में भर्ती होने का सपना देखते हैं। एनसीसी को सेना में भर्ती होने का पहले कदम के रूप में देखा जाता है। एनसीसी अनुशासना सिखाती है, जिसका समाज के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहता है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि एनसीसी के ब्रिगेडियर राजीव ठाकुर ने एनसीसी फ्लैग औपचारिक रूप से कॉलेज को भेंट कर दिया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतिंदर कुमार ने अन्य स्टाफ की मौजूदगी में झंडा प्राप्त किया है।

प्रदेश में 113 नए मरीज, एक महिला ने तोड़ा दम

शिमला, हिमालयन अपडेट

शनिवार को राज्य में कोरोना संक्रमण की जांच के लिए 14 हजार 432 लोगों के सैंपल जांच को लिए गए थे। इनमें से 13 की रिपोर्ट पेंडिंग है। 113 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। चंबा में सबसे ज्यादा 28 मामले सामने आए हैं। राज्य में अभी तक 2 लाख 4 हजार 337 लोग कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। वहीं सोलन जिला में 63 साल की महिला की मौत संक्रमण से हुई है।

पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री ने बालीचौकी में 2.28 करोड़ रुपये...

अधिकारियों को इसका कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से मंडी जिले के बालीचौकी तथा कुल्लू जिले के बंजार क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी तथा अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के लिए निर्देश दिए।

इस अवसर पर बंजार के विधायक सुरेन्द्र शौरी, उपायुक्त मण्डी अरिन्दम चौधरी, पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री, पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

शिमला जिले के कोटखाई और जुब्बल में खुलेंगे...

उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश कोविड–19 के प्रबंधन में देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में कोविड–19 मरीजों के लिए प्रदान की जाने वाली सुविधाओं जैसे ऑक्सीजन, बिस्तर, वेंटिलेटर इत्यादि की कोई कमी नहीं है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के 3.15 लाख परिवारों को गृहिणी सुविधा योजना के अंतर्गत मुफ्त गैस कनैक्शन प्रदान किए गए हैं। सहारा योजना के अंतर्गत 15 हजार ऐसे परिवारों को तीन हजार प्रति परिवार की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिनका कोई सदस्य गंभीर बीमारी से पीड़ित है।

उन्होंने पूर्व मंत्री नरेन्द्र बरागटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रदेश के सेब क्षेत्र में उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया।

जय राम ठाकुर ने इस अवसर पर विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया।

शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि यह राज्य का सौभाग्य है कि प्रदेश का नेतृत्व जय राम ठाकुर के रूप में ऊर्जावान और युवा मुख्यमंत्री कर रहे हैं जो स्वयं विनम्र पृष्ठभूमि से हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रथम निर्णय गरीबों और कमजोर वर्गों का उत्थान सुनिश्चित करने पर केन्द्रित था।

उन्होंने कहा कि देश की विभिन्न मंडियों में कमीशन एजेंटों द्वारा किसानों के साथ धोखाधड़ी की जाती थी, पर अब राज्य में प्रदेश की भाजपा सरकारों और पूर्व मंत्री नरेन्द्र बरागटा के द्वारा किए गए प्रयासों से राज्य में कई मंडियां खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि रोहड़ू के मेहंदली और शिमला के भट्टाकुफर में फल एवं सब्जी मण्डियों के निर्माण के लिए इस वर्ष 20 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से बागवानों की सुविधा के लिए एमआईएस के तहत सेब का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का आग्रह किया।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेन्द्र कंवर ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की जमीनी स्तर की संस्थाएं हैं और राज्य सरकार उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार बागवानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पराला स्थित फल मंडी का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए कोटखाई में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय (बीडीओ) खोलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य में पंचायत घरों के निर्माण के लिए पर्याप्त राशि प्रदान की जाएगी।

बहुद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा मंत्री सुख राम चैधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के सशक्त नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में कम वोल्टेज की समस्या का समुचित रूप से समाधान सुनिश्चित किया है। उन्होंने गरीब और समाज के कमजोर वर्गों के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरम्भ करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

निदेशक ग्रामीण विकास और पंचायती राज ऋग्वेद ठाकुर ने प्रदेश सरकार द्वारा पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए आरम्भ की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं के नव निर्वाचित सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों को सूचना प्रौद्योगिकी टूल्स का प्रभावी उपयोग करने सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भाजपा मण्डलाध्यक्ष अनिल कालटा ने क्षेत्र की विभिन्न विकासात्मक मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

इससे पहले, पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और पूर्व मंत्री नरेन्द्र बरागटा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

राज्यपाल ने कौशल विकास निगम के माध्यम..

प्रस्तुति देते हुए कहा कि इसे वर्ष 2015 में हिमाचल प्रदेश के राज्य कौशल मिशन के रूप में स्थापित किया गया था, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि यह राज्य भर में कौशल गतिविधियों के कार्यान्वयन और समन्वय के लिए एक छत्र निकाय है। विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से निगम राज्य में तकनीकी व्यावसायिक और शैक्षिक प्रशिक्षण (टीवीईटी) ढांचे को मजबूत करता है और राज्य में गुणवत्ता कौशल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में युवाओं के लिए मांग आधारित कौशल प्रशिक्षण और हिमाचली युवाओं के लिए एचपीकेवीएन द्वारा प्रायोजित शत–प्रतिशत प्रशिक्षण लागत उपलब्ध करवाना है। इस अवसर पर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से प्रदेश के...

सुदृढ़ करने के बारे में भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने प्रदेश के विकास के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रधान आवासीय आयुक्त सुशील कुमार सिंगला, उप आवासीय आयुक्त पंकज शर्मा भी उपस्थित रहे।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Phone No. 01905- 222172 E-Mail: ee-elem-hp@nic.in

INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, Electrical Division, HP.PWD, Mandi HP on behalf of Governor of H.P invites the item rate bids, in electronic tendering system for the following works from OEM of DG Set or Electrical contractors enlisted in appropriate class , duly authorised by the OEM having similar work experience as detailed in the table

1 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at Civil Hospital Sarkaghat, District Mandi (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

2 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at Civil Hospital Joginder Nagar, District Mandi (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

3 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at Civil Hospital Karsog, District Mandi (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

4 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at Regional Hospital Kullu, District Kullu (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

5 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at CHC Teghubehar, District Kullu (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

6 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at Civil Hospital Keylong, District L&S (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

7 **Name of Work:** Providing & Installation of 250 KVA D.G Set at 50 bedded Hospital Bagsaid, District Mandi (H.P) **Estimated Cost:** 2999441/- **Date of publishing online and Starting date for downloading bid:** 23.07.2021 at 10.00 A.M **Earnest Money :** 52500/- **Deadline for submission of bid:** 30.07.2021 at 10.00 A.M

The tenders will be opened on 30.07.2021 (Technical bid followed by financial bid) The bidders are advised to note other details of e-tenders and Technical Qualification Criteria from the department website www.hptenders.gov.in.

Executive Engineer
Electrical Division,
HP-PWD, Mandi HP 175001
R.No. 2431/21-22 **On behalf of Governor of Himachal Pradesh**

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
INVITATION FOR BIDS (IFB)

Office 01783-260033 Email : ee-cho-hp@nic.in
No. PW.CHD.CB.Tender/2021 / 4271-4370 Dated 13.7.2021

Sealed item rate tenders are hereby inviting on behalf of Governor of Himachal Pradesh by the Executive Engineer, Chopal Division HPPWD Chopal for the following works from the approved and eligible contractors enlisted in H.P.P.W.D., so as to reach in the office on or before 23.08.2021 at 11.00 a.m. and will be opened on the same day at 11.30 a.m. in the presence of the intending contractors/firms or their authorized representatives who wish to be present. Application for tender form should be submitted to his office (Chopal Division HPPWD Chopal) against cash payment (Nonrefundable) on any working day during the office hours up to 4:00 pm dated 11.08.2021 and tender documents can be had from his office on same day 5:00 pm. No tender form documents will be issued after 5:00 P.M. on scheduled date. If the office happens to be closed on the scheduled date the tender form documents will be sold /opened on the next working day at the same time and venue.

The earnest money in the shape of FDR, NSC purchase from any nationalized Bank or Post Office shall be deposited duly pledged in favors of the Executive Engineer, Chopal Division HPPWD Chopal, must accompany with application form. Conditional tender and the application received without earnest money will summarily be rejected. The offer of the tenders shall be opened for 90 days. The XEN reserve the right to reject/accept the tenders without assigning any reason.

The copy of the latest renewal/enlistment, PAN Number and GST/CST/TIN number must also accompany the application for the tender documents.

1. **Name of work:** C/o road from Pashar to Okhar Nalla km. 0/0 to 4/0 (SH: C/o B/wall in between km. 3/025 to 3/050). **Estimated cost:** 295801/- **Earnest money:** 6000/- **Cost of form:** 350/- **Time :** One month.
2. **Name of work:** Improvement of black spot on Banipul Mashrain road km. 0/0 to 18/0 (SH: W-metal crash barriers, improvement of Geometrics at km. 16/030 to 16/135). **Estimated cost:**401765/- **Earnest money:** 8500/- **Cost of form:** 350/- **Time :** One month.
3. **Name of work:** A/R & M/O Non residential building at Chopal (SH: C/o toilet block, canteen, Driver sitting room, meeting hall etc.). **Estimated cost:** 495400/- **Earnest money:** 10000/- **Cost of form:** 350/- **Time :** One month.
4. **Name of work:** R/R damages on Chanjalpul to Rewalpul road (SH: C/o wire crated B/wall in between km. R.D. 2/150 to 2/180). **Estimated cost:** 205095/- **Earnest money:** 4500/- **Cost of form:** 350/- **Time :** One month.

Executive Engineer
HPPWD Division Chopal District Shimla H.P
R.No. 2425/21-22 **On behalf of Governor of Himachal Pradesh**

बदल फटने के कारण जो छात्र परीक्षा नहीं दे पाए उन्हें दिया जाए एक और मौका : अभाविप

हिमाचल प्रदेश में बरसात का समय है और प्राकृतिक रूप से प्रदेश के अनेकों क्षेत्रों में भारी वर्षा हो रही है।

शिमला, हिमालयन अपडेट

कांगड़ा जिला के धर्मशाला में भारी वर्षा हुई और वहां पर बदल फटने से भारी नुकसान हुआ है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हिमाचल प्रदेश के प्रांत सह मंत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी हुए मीडिया को जानकारी देते कहा कि धर्मशाला में सुबह ही बदल फटने की घटना सामने आई है जिसकी सोशल मीडिया में वीडियो भी काफी वायरल हो रही है उन्होंने कहा कि उस भारी वर्षा और बादल फटने के कारण कांगड़ा जिला की अनेकों सड़कें बाधित हुई जिस कारण पूरा दिन बीत जाने के बाद भी धर्मशाला अपने अनेक नजदीकी क्षेत्रों से कट गया है।

अभाविप के प्रांत सह मंत्री विक्रांत चौहान ने कहा कि धर्मशाला में काफी नुकसान हुआ है जिसमें काफी लोग बेघर भी हुए है कइयों की गाड़ी भी बाढ़ में बह गई है उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान सड़को को हुआ है जिस कारण यातयात व्यवस्था भी ठप हो गई है।

उन्होंने मीडिया को जानकारी देते हुए ये भी कहा की प्रदेश में अन्य क्षेत्रों में भी कल रात से ही भारी वर्षा हो रही थी जिस कारण प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें बंद हो गई है और लोगों का आना जाना भी बंद हो गया है लेकिन सबसे ज्यादा जो नुकसान होते दिख रहा है वो छात्रों का नुकसान होते दिख रहा है उन्होंने कहा कि सुबह ही रामपुर बुशहर से एनएच 5 की भी बंद होने की सूचना है वहां भी मुख्य मार्ग बंद होने के कारण छात्र परीक्षा केंद्रों तक नहीं पहुंच पाए है, अभाविप ने कहा कि प्रदेश में बीएड और टीईटी की परीक्षाएं चल रही है और कुछ छात्र संगठनों से भी संपर्क कर रहे कि वे परीक्षा देने नहीं पहुंच पाए है।

अतः विद्यार्थी परिषद प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग से मांग करती है कि जल्द से जल्द छात्रों के परीक्षा को स्थगित करने की अधिसूचना जारी की जाए। सरकार को छात्रों के भविष्य को गंभीरता से समझना चाहिए और छात्रहित में निर्णय लेना चाहिए।

18 वर्षों पश्चात सरेउलसर में माता बूढ़ी नागिन से मिले कुंईर के ब्यास ऋषि

आनी, हिमालयन अपडेट

तीन गढ़ और सात हारों के इष्ट देवता मुहान पँचायत के कुंइर के ब्यास ऋषि महादेव अपनी माता सरेउलसर स्थित बूढ़ी नागिन से मिलकर और शक्तियों को अर्जित कर अपने हारियानों, कारकुनों और देवलुओं सहित वापिस लौट आये हैं। देवता के कारदार इन्द्र सिंह, कारदार मंगत राम , मुहान पंचायत के प्रधान हरीश शर्मा और देवता के दरोगा ठाकुर दास वर्मा ने बताया कि अपने इस तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन ब्यास ऋषि ने खनाग पँचायत के झरौहनु स्थित अपनी कोठी में रात्रि विश्राम किया और अगले दिन अपने सैंकड़ों अनुयायियों के साथ सरेउलसर पहुंचे और परंपराओं को पूरा कर शक्तियों को अर्जित किया। जिसका नजारा देखते ही बनता था। जिसके बाद लाम्बा लाम्बरी जोगणी का आह्वान भी किया गया।

घाटे में चल रही उचित मूल्य की दुकानें बंद नहीं होंगी सुनिश्चित रहेगी-राजेंद्र गर्ग

चंबा, हिमालयन अपडेट

प्रदेश में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की घाटे में चल रही उचित मूल्य की दुकानें बंद नहीं होंगी। उपभोक्ताओं को यथावत आवश्यक खाद्यान्न सामग्री की आपूर्ति जारी रहेगी । खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेंद्र गर्ग ने चंबा प्रवास के दौरान लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह सियुंता में जानकारी देते हुए कहा कि जो कॉरपोरेशन द्वारा संचालित डिपो है जिनमें कॉरपोरेशन के कर्मचारी कार्यरत हैं, वे डिपो घाटे में चल रहे हैं । इन डिपुओं से कर्मचारियों को हटाने का निर्णय लिया गया है । लेकिन किसी भी प्रकार से प्रदेश में डिपो बंद नहीं होंगे ।

उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि लोगों के मन में जो संशय पैदा हुआ है कि जो सिविल सप्लाई विभाग के कर्मचारियों द्वारा डिपो चलाए जा रहे हैं वह बंद हो जाएंगे इसको लेकर लोगों में जो चिंता बनी हुई है । उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसी भी सरकारी राशन के डिपो को बंद नहीं करेगी जो डिपो जहां पर है वहीं उसको संचालित किया जाएगा । केवल वहां के कर्मचारियों को विभाग में समायोजित किया जाएगा और स्थानीय लोगों को डिपो का संचालन करने के लिए भी नियुक्त किया जाएगा । ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत पेश न आए । उन्होंने पुनः स्पष्ट करते हुए कहा कि डिपो से लोगों को राशन मिलना बंद नहीं होगा पहले की तरह यथावत राशन मिलता रहेगा । इस मौके पर भाटियात विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम जरियाल ने उन्हें सम्मानित भी किया और क्षेत्र की समस्याओं से रूबरू करवाया ।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले खाद्य आपूर्ति मंत्री ने मौके पर लोगों की समस्याओं को भी सुना और मौजूद अधिकारियों को जल्द निराकरण के भी निर्देश जारी किए।

ढली में 2 अलग–अलग जगह पर 20 ग्राम चिट्टा के साथ 4 युवक गिरफ्तार

शिमला, हिमालयन अपडेट

जिले में नशे का कारोबार थम नही रहा है।आये दिन नशा तस्कर विभिन्न उपनगरों में तस्करी कर रहे है।पुलिस भी इन तस्करो को पकड़ रही है।

ताजा मामलो में पुलिस ने रविवार रात व सोमबार सुबह ढली थाना के अंतर्गत दो अलग ,अलग जगह 20 ग्राम चिट्टा के साथ 4 लोगो को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार देर शाम जब पुलिस गश्त पर थी तो मल्याणा में एक 19 साल के युवक को संदिग्ध अवस्था घूम रहा था तभी पुलिस ने जब उससे घूमने का कारण पूछा तो वह नही बता सका ।पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके पास से 1. 13ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

वही सोमबार सुबह जब पुलिस गश्त पर थी तो सिमिट्री गेट के पास पुलिस ने ट्रैफिक चेकिंग के दौरान एक गाड़ी नंबर एचपी 07ई –3801 की चेकिंग की तो उसमें 3 युवक विक्रम 29,ध्रुव 28 ,वनिश 29 बैठे थे जो पुलिस को देख कर हड़बड़ा गए। पुलिस ने जब उन तीनों युवकों की तलाशी ली तो पुलिस को 19.68 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने सभी युवकों को गिरफ्तार कर लिया है ओर मामले की जांच कर रही है।

26 से फिर ऑनलाइन कक्षाएं, ग्रीष्मकालीन स्कूल खुलेंगे

शिक्षकों को विद्यालय आने के निर्देश, आईसीटी लैब के माध्यम से छात्रों को करवाएंगे पढ़ाई

शिमला, हिमालयन अपडेट

राज्य के ग्रीष्मकालीन अवकाश वाले स्कूलों में 26 जुलाई से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हो रही है। टीचरों को स्कूल आने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। शिक्षा स्कूल आकर आईसीटी लैब के माध्यम से छात्रों की लाइव पढ़ाई करवाएंगे। लाइव कक्षाएं शुरू होने के बाद छात्रों को अपनी परफॉरमेंस भी दिखानी होगी, जिसके बाद इसकी रिपोर्ट प्रदेश सरकार को भेजी जाएगी। ग्रीष्मकालीन स्कूलों में मानसून की छुट्टियां 25 जुलाई को खत्म हो रही है। ऐसे में ग्रीष्मकालीन स्कूल 26 जुलाई से शुरू हो रहे हैं और शिक्षकों को भी नियमित तौर पर आने के निर्देश दिए गए है।

वहीं छात्रों की पढ़ाई ऑनलाइन जारी रखने के भी निर्देश हैं। शिक्षक आईसीटी लैब के माध्यम से छात्रों की लाइव पढ़ाई होगी। इससे पहले समर क्लोजिंग स्कूलों में हर घर पाठशाला के तहत पाठन सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही थी। बता दें कि ग्रीष्मकालीन स्कूलों में 26 जून से 25 जुलाई तक मानसून का अवकाश दिया गया है। हालांकि शिक्षकों द्वारा हर घर पाठशाला के तहत छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई जारी रखी गई है। उधर, शीतकालीन स्कूलों में पहले ही शिक्षक नियमित तौर पर स्कूल आ रहे है। शिक्षक स्कूलों की आईसीटी लैब से छात्रों को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं। वहीं अब ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद इन शिक्षकों को भी नियमित तौर पर स्कूल आने के निर्देश दिए गए है।

छात्रों को स्कूल बुलाने की तैयारी

सरकारी स्कूलों में बड़ी कक्षा के छात्रों को बुलाने की भी तैयारी की जा रही है। इसमें नौंवी से 12वीं कक्षा के छात्रों को बुलाया जा सकता है। इस बारे में शिक्षा सचिव राजीव शर्मा ने बताया कि नौंवी से 12वीं के छात्रों को स्कूल बुलाने की तैयारी है, लेकिन इस बारे में प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया जाएगा। इसके बाद ही छात्रों को स्कूल बुलाया जाएगा।

सेना भर्ती की लिखित परीक्षा के लिए 20 तक एडमिट कार्ड न लिए, तो नहीं दे पाएंगे एग्जाम

- 25 जुलाई को आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय योल कैंट में होगी सेना भर्ती की लिखित परीक्षा
- कोरोना टेस्ट या वैक्सीन की रिपोर्ट लाना अनिवार्य

कांगडा, हिमालयन अपडेट

कांगड़ा और चंबा जिला के युवकों के लिए सेना की खुली भर्ती का आयोजन 14 से 28 फरवरी तक प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के मैदान में किया गया था। भर्ती की लिखित परीक्षा, जो 30 मई, 2021 को होनी थी, जो कोरोना की वजह से नहीं हो सकी थी। सेना भर्ती कार्यालय पालमपुर के अनुसार, अब यह परीक्षा 25 जुलाई को आर्मी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय योल कैंट में होगी। उम्मीदवारों को अपने रोल नंबर के अनुसार, केंद्र पर 25 जुलाई को सुबह 04:30 बजे पहुंचना होगा। उम्मीदवारों के लिए कोरोना टेस्ट की ज्यादा से ज्यादा तीन दिन पहले की रिपोर्ट या कम से कम एक डोज कोरोना वैक्सीन लगा हुआ सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा।

उम्मीदवारों को क्लिपबोर्ड, नीला और काला बॉल पेन, अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो, फेस मास्क, हैंड ग्लव्स एवं हैंड सेनेटाइजर परीक्षा केंद्र पर लाना होगा। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और उसके जैसा कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा केंद्र में लाना वर्जित है। अभी भी सात उम्मीदवार, जिनका आरएमडीएस नंबर 1419, 1510, 3162, 3580, 3666, 3724 एवं 3858 है, उन्होंने अपना एडमिट कार्ड नहीं लिया है। ये उम्मीदवार अपना एडमिट कार्ड 20 जुलाई, 2021 से पहले भर्ती कार्यालय पालमपुर से प्राप्त कर सकते हैं, अन्यथा उन्हें परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा।

कुछ इस तरह रहेगा शेड्यूल

केंद्रीय विद्यालय योल कैंट में सोल्जर जनरल ड्यूटी रोल नंबर 1000 से 1638, आर्मी पब्लिक स्कूल योल कैंट में सोल्जर जनरल ड्यूटी रोल नंबर 1639 से 2475 और आर्मी पब्लिक स्कूल योल कैंट में सोल्जर क्लर्क व एसकेटी रोल नंबर 47001 से 47201 की परीक्षा होगी। कांगड़ा और चंबा जिला के नवयुवकों के लिए 2021–22 की भर्ती की रैली अधिसूचना वेबसाइट पर जारी कर दी गई है, जिसका ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 15 जुलाई से 28 अगस्त तक होगा। सभी उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है।

सोलन जिला में डेल्टा वेरिएंट के दस मरीज

सोलन, हिमालयन अपडेट

जिला में दस लोगों में कोरोना का डेल्टा वेरिएंट पाए जाने से हड़कंप मच गया है। जीनोम स्टडी के लिए भेजे गए रैंडम सैंपल के बाद यह खुलासा हुआ है। डेल्टा वेरिएंट पाए जाने के बाद जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड़ में आ गया है। उपायुक्त सोलन कृतिका कुल्हारी ने जिलावासियों से कोरोना नियमों की पालना सुनिश्चित बनाने की अपील करते हुए उपमंडल अधिकारियों से भी विशेष टीमों का गठन करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। बता दें कि जिला स्वास्थ्य विभाग प्रतिदिन एकत्र किए गए कोरोना सैंपल को टेस्ट के लिए सीआरआई कसौली भेजता है। वहां से रैंडम आधार पर लगभग डेढ़ माह पहले कुछ सैंपल जीनोम स्टडी के लिए भेजे थे। इन सैंपलों की करीब एक दिन पहले ही जिला स्वास्थ्य विभाग के पास पहुंची है, जिसमें करीब 10 लोगों में डेल्टा वेरिएंट की पुष्टि हुई है।

पिपलू से उड़ान भरेंगे पैराग्लाइडर, हथलौन में होगी लैंडिंग, स्थान चयनित

ऊना, हिमालयन अपडेट

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग के स्थान चयन के लिए आई कमेटी ने पिपलू को साहसिक खेल के लिए हरी झंडी दे दी है। पिपलू मंदिर के समीप पैराग्लाइडिंग के लिए उड़ान भरने को उपयुक्त पाया है, जबकि लैंडिंग के लिए हथलौन को तय किया गया है। जिला परिषद उपाध्यक्ष कृष्ण पाल शर्मा, अटल विहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबंधी खेल संस्थान मनाली के अतिरिक्त निदेशक सुरिंदर ठाकुर, सहायक पर्यटन विकास अधिकारी रवि धीमान, सीनियर पैरा ग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर अनुजा अवस्थी सहित तकनीकी टीम के अन्य सदस्यों ने इस स्थान को पैरा ग्लाइडिंग के लिए सही पाया है।

अटल विहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबंधी खेल संस्थान मनाली के अतिरिक्त निदेशक सुरिंदर ठाकुर ने कहा कि पिपलू में पैरा ग्लाइडिंग के लिए स्थान का चयन होने के बाद टेक ऑफ साइट व लैंडिंग साइट की अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद यहां पर पैरा ग्लाइडिंग संभव हो पाएगी।

वहीं जिला परिषद उपाध्यक्ष कृष्ण पाल शर्मा ने कहा कि यह कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।

वीरेंद्र कंवर ने केंद्रीय कृषि मंत्री से हिमाचल के लिए 27.17 करोड़ की परियोजनाओं की मांगी मंजूरी

ऊना, हिमालयन अपडेट

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, कृषि, मत्स्य व पशु पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट की। कंवर ने तोमर को बताया कि हिमाचल प्रदेश के लिए 27.17 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है, जिसे जल्द से जल्द मंजूरी प्रदान की जाए। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है, ऐसे में यहां पर कृषि गतिविधियों के आधुनिकीकरण के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार ने केंद्र को भेजे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश बीजों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास कर रहा है, जिसके लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला में नए बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की आवश्यकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 11.72 करोड़ रूपए का प्रस्ताव भेजा है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत 10.34 करोड़ का प्रस्ताव दलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तुत किया गया है।

साथ ही तिलहन फसलों के सुधारीकरण और प्रसार के लिए वर्ष 2022–23 से 2025–26 के लिए 2.86 करोड़ रूपए भी मांगे हैं। कंवर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में बाजरा तथा लाल चावल उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 1.76 करोड़ रूपए का प्रस्ताव भी दिया गया है।

वीरेंद्र कंवर ने जिला मंडी के मोवेसेरी में गेहूं व अन्य बीजों की खरीद एवं भंडारण के लिए वित वर्ष 2021–22 में 49 लाख का प्रस्ताव दिया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से वीरेंद्र कंवर को केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

इसके बाद ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने केंद्रीय पशु पालन राज्य मंत्री संजीव बालियान से भी भेंट की और हिमाचल प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि वीरवार को वह केंद्रीय पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला से मिलेंगे।

नियमों को ताक पर रखकर चल रहे रेस्त्रां पर एसडीएम ने दी दबिश, जुर्माना ठोका

ऊना, हिमालयन अपडेट

अंब में नियमों को ताक पर रखकर चल रहे रेस्त्रां पर प्रशासन ने कार्रवाई की। एसडीएम अंब मनेश कुमार यादव के नेतृत्व में पांच विभागों के अधिकारियों ने रेस्त्रां पर छापा मारा और कई कमियां पाई, जिस पर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसडीएम अंब मनेश कुमार यादव ने बताया कि रेस्त्रां के खिलाफ घटिया खाना खिलाने तथा ग्राहकों के साथ अभद्र व्यवहार करने की कई शिकायतें मिल रही थी, जिन पर कार्रवाई करते हुए दबिश दी गई। रेस्त्रां प्रबंधन खाना बनाने के लिए पुराना तेल का बार–बार इस्तेमाल करते पाए गए। ग्राहकों को बदबूदार चटनी दी जा रही थी और फंगस लगा कच्चा माल इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसके लिए लिए फूड सेफ्टी एक्ट के तहत 5000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। रेस्त्रां के अंदर पैकिंग के लिए प्लास्टिक मटेरियल के इस्तेमाल करने पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने 3000 रुपए का जुर्माना लगाया हैं। ग्राहकों को भेजे जा रहे पैक्ड फूड का प्रबंधकों के पास कोई रिकॉर्ड नहीं था।

उन्होंने कहा कि 23 जून के बाद रेस्त्रां ने कोई भी कैश मेमो जारी नहीं किया था, जिससे पता चलता है कि बिल जारी नहीं किए जा रहे थे। इस पर आबकारी एवं कराधान विभाग ने कार्रवाई की है। रेस्त्रां में काम करने वाले 8 कर्मचारियों का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने तथा शॉप एंड एस्टेब्लिशमेंट एक्ट की अनुपालना नहीं होने के चलते श्रम विभाग ने दो चालान किए, जिन्हें शनिवार को अंब कोर्ट में पेश किया जाएगा। रेस्त्रां में काम करने वाले कर्मचारी कोविड नियमों की भी पालना नहीं कर रहे थे, जिस पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

मनेश कुमार यादव ने कहा कि कार्रवाई करने वाली टीम में लेबर इंस्पेक्टर रणबीर सिंह, फूड एंड सिविल सप्लाई इंस्पेक्टर ऋचा सैणी, फूड सेफ्टी ऑफिसर प्रियंका कश्यप, आबकारी एवं कराधान विभाग से इंस्पेक्टर अनिल सोनी तथा तहसीलदार अभिषेक भास्कर साथ रहे।

भारत सरकार की उत्तम विदेश नीति से मिल रही लोगो को राहत : खन्ना

शिमला, हिमालयन अपडेट

भाजपा हिमाचल प्रदेश प्रभारी व पंजाब के पूर्व राज्य सभा सांसद अविनाश राय खन्ना के प्रयासों से गांव लंगेरी गढ़शंकर निवासी कुलदीप सिंह पार्थिव शरीर रोमानिया से भारत पहुंचा तथा उसका दाह संस्कार उसकी मातृभूमी पर हो पाया ।

बीते दिनों गांव राये खन्ना लंगेरी से स्व . कुलदीप सिंह का भाई सुरजीत सिंह जिसने हिमाचल प्रभारी अविनाश राय खन्ना से संपर्क कर कुलदीप सिंह की रोमानिया में मृत्यु हो जाने तथा उसका पार्थिव शरीर भारत मंगवाने में पेश आ रही समस्या से अवगत कराया । अविनाश राय खन्ना ने मृतक के परिवार से दुख सांझा करते हुए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर कुलदीप सिंह का पार्थिव शरीर जल्द भारत भेजने को कहा । विदेश मंत्रालय ने खन्ना के पत्र पर तुरंत कारवाई करते हुए कुलदीप सिंह का पार्थिव शरीर भारत भेजा जिसके चलते उसके परिजन मृतक के अंतिम दर्शन कर पाए तथा कुलदीप सिंह का दाह संस्कार उसके गांव लंगेरी में हो सका । मृतक के परिवार ने फोन पर भारत सरकार तथा अविनाश राय खन्ना का आभार जताया ।

भाजपा प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का धन्यवाद किया कि जैसे ही उन्होंने केंद्र के मदद पोर्टल पर इस समस्या को डाला और लिखित रूप में पत्र भी लिखा जिसपर केंद्र सरकार ने तुरंत कार्यवाही की और कुलदीप सिंह का दाह संस्कार उसकी मातृभूमी पर हो पाया।

पात्र उम्मीदवारों के लिए सेना में भर्ती का पंजीकरण शुरू

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल संजीव कुमार त्यागी ने बताया कि जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के पात्र उम्मीदवार सेना में भर्ती होने के लिए भारतीय सेना की वेबसाईट www.joinindianarmy.nic.in पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते है।

उन्होंने बताया कि जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के पात्र उम्मीदवार सैनिक (जीडी) के पद के लिए 15 जुलाई से 28 अगस्त तक पंजीकरण करवा सकते है। उन्होंने बताया कि इन पदो के लिए सेना भर्ती रैली 5 फरवरी से 20 फरवरी, 2022 तक होगी तथा इसका सम्भावित स्थान सुजानपुर (जिला हमीरपुर) रहेगा।

कर्नल संजीव कुमार त्यागी ने बताया कि जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के पात्र उम्मीदवार सैनिक क्लर्क, स्टोर कीपर तकनीकी (सोल क्लर्क/एसकेटी) के पद के लिए 15 जुलाई से 28 अगस्त तक पंजीकरण करवा सकते है। उन्होंने बताया कि इन पदो के लिए सेना भर्ती रैली 5 फरवरी से 20 फरवरी, 2022 तक होगी तथा इसका सम्भावित स्थान सुजानपुर (जिला हमीरपुर) रहेगा।

इसके अतिरिक्त जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के पात्र उम्मीदवार एसईपी फार्मा के पद के लिए 15 जुलाई से 28 अगस्त तक पंजीकरण करवा सकते है तथा इन पदों की सेना भर्ती रैली 6 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2021 तक होगी और इसका सम्भावित स्थान कुल्लू/मण्डी रहेगा।

उन्होंने बताया कि जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के पात्र उम्मीदवार सैनिक ट्रेडमैन (8वीं पास) (हाउस कीपर और मेस कीपर) और सैनिक ट्रेडमैन (10वीं पास) (मुख्य समुदाय, ड्रेसर (यू), स्टीवर्ड, धोबी, दर्जी, सहायक कर्मचारी (उपकरण मरम्मत) और पेंटर और डेकोरेटर के पद के लिए 15 जुलाई से 28 अगस्त तक पंजीकरण करवा सकते है जिनकी सेना भर्ती रैली 2 मार्च से 14 मार्च, 2022 तक होगी। इन पदों के लिए सम्भावित स्थान एवरपट्टी, रामपुर बुशहर, (शिमला) रहेगा।

उन्होंने बताया कि पदों की भर्ती के लिए बताए गए स्थान भविष्य में बदले जा सकते है।

ग्राम पंचायत भडियांकोठी के सभी गांव को जल्द मिलेगी सड़क सुविधा-विधायक पवन नैयर

विधायक पवन नैयर ने भडींया से तडग्रां,झडैं और बणीं गांवो के लिए संपर्क सड़कों का किया शिलान्यास

चंबा, हिमालयन अपडेट

विधायक पवन नैयर ने ग्राम पंचायत भडियाकोठी में 3.5 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली गांव भडिया से बणी, करिया पुल से तड़ग्रां और गांव झडैं के लिए संपर्क सडक मार्गो का शिलान्यास किया। उसके उपरांत उन्होंने भडियाकोठी में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि इन संपर्क सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के लगभग 5 हजार लोग सड़क सुविधा से लाभान्वित होंगे । उन्होंने कहा ग्राम पंचायत भडियाकोठी के दूरदराज के सभी गांव को सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा और जो कार्य निर्माणाधीन है उनको जल्द ही पूर्ण किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि भडियाकोठी पंचायत मैं विभिन्न निर्माण कार्यों में विधायक निधि से 30 लाख की राशि गत 3 वर्षों में खर्च की जा चुकी है।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भडियाकोठी में खेल मैदान का जल्द ही संवर्धन किया जाएगा ताकि स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों को खेल संबंधी अच्छी सुविधा प्राप्त हो। उन्होंने इस दौरान आम जनमानस की समस्याओं को सुना और मौके पर निवारण भी किया।

विधानसभा क्षेत्र चंबा में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के इस कार्यकाल के दौरान सामाजिक सेवा क्षेत्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि ,बागवानी ,पेयजल और सड़क नेटवर्क को जो मजबूती मिली है वह सबके सामने हैं। सरकार द्वारा आरंभ की गई विभिन्न विकासात्मक और जनकल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को पूरी प्रतिबद्धता के साथ सुनिश्चित बनाया जा रहा है।

विधायक पवन नैयर ने कहा कि चूंकि कोरोना महामारी के इस काल में चल रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों की व्यवस्था प्रभावित हुई है। ऐसे में सरकार द्वारा निर्धारित किए गए नियमों का पालन करते हुए क्षेत्र में विकास के कार्यों को निरंतरता के साथ गति प्रदान की जा रही है ।

पंचायत स्तर पर विभिन्न विकास कार्यों को और गति प्रदान करने के लिए सदर विधायक ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों और आम लोगों के आपसी समन्वय और सहयोग की बात भी कही। और उन्होंने लोगों को कोरोना के प्रति भी जागरूक करते हुए कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर आने की संभावना है इसलिए लोग सरकार और प्रशासन द्वारा जारी कोरोना एहतियातन के प्रति दिए गए निर्देशों का पूर्णता पालन करें ताकि समय रहते इस संक्रमण से बचा जा सके।

कार्यक्रम में ज़िला परिषद अध्यक्षा नीलम कुमारी ने सदर विधायक पवन नैयर को शॉल व टोपी भेंट कर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जसवीर, भाजपा मंडल महामंत्री संजीव सुरी, पंचायत समिति अध्यक्ष मैहला गिलमा देवी,प्रधान ग्राम पंचायत भडियाकोठी मनीषा कुमारी,अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग जीत सिंह, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग मीत शर्मा, प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भडियाकोठी भाग सिंह, सहायक अभियंता जल शक्ति जितेंद्र शर्मा, सहायक अभियंता राज सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पेंशन नहीं; सिर्फ आश्वासन मिले, एनपीएस कर्मचारियों ने मुख्य सचिव से मांगी राहत

शिमला, हिमालयन अपडेट

एनपीएस स्कीम कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष प्रदीप ठाकुर एवं महासचिव भरत शर्मा की अगवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने तकनीकी शिक्षा मंत्री डा. रामलाल मार्कंडेय एवं मुख्य सचिव अनिल खाची से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय सूचना 2009 को प्रदेश में जल्द लागू करने के लिए निवेदन किया।

उन्होंने बताया कि 2003 से अब तक प्रदेश के 2000 के लगभग कर्मचारी मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं जिनके परिवार को पारिवारिक पेंशन के नाम पर कुछ नहीं मिला है। न ही उन्हें कोई अन्य राहत मिल पाई है । एनपीएस कर्मचारी महासंघ का प्रतिनिधिमंडल अनेक बार इस विषय को लेकर सांसदों, मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से मिल चुका है और सभी ने एनपीएस कर्मचारी महासंघ को आश्वस्त किया है कि जल्द ही हिमाचल प्रदेश में 2009 की अधिसूचना को लागू कर दिया जाएगा। राज्य अध्यक्ष प्रदीप ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के 1,20,000 कर्मचारियों को उम्मीद है कि 15 अगस्त को यह घोषणा अवश्य होगी।

हिमाचल–हरियाणा सीमा पर नशीली दवाइयां बरामद

पांवटा साहिब, हिमालयन अपडेट

हिमाचल–हरियाणा सीमा पर बहराल बैरियर के पास पुलिस टीम ने नाके के दौरान उत्तर प्रदेश के दो नशा तस्कर को भारी मात्रा में नशीली दवाओं की खेप के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पांवटा साहिब के डीएसपी बीर बहादुर को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा की तरफ से यूपी के दो युवक नशीली दवाओं की बड़ी खेप के साथ पांवटा साहिब की तरफ आ रहे हैं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नाका लगाया और हरियाणा की तरफ से आए दो युवकों से 3118 नशीली दवाइयां बरामद कीं।

देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उत्सव पर एबीवीपी हिमाचल प्रदेश के 7500 गांवों में फहराएगी तिरंगा

शिमला, हिमालयन अपडेट

देश की स्वतंत्रता के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् "स्वतंत्रता उत्सव" को प्रदेश के प्रत्येक जन–जन का पर्व बनाते हुए पूरे हिमाचल प्रदेश के 7500 गांवों में तिरंगा झण्डा फहराएगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के प्रदेश मंत्री विशाल वर्मा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त, 2022 को देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् 15 अगस्त, 2021 से स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को याद करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसी कड़ी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने तय किया है कि विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा आम जनमानस को साथ लेते हुए 15 अगस्त, 2021 को हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक गांव में तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। इस अभियान हेतु विद्यार्थी परिषद् ने प्रांत स्तर पर टीम का गठन किया है, जिसके प्रदेश संयोजक के नाते अभिषेक कुमार रहेंगे तथा प्रदेश सह–संयोजक के नाते प्रदीप कुमार, शक्ति शर्मा, नैंसी अटल, आकाश नेगी, गौरव अत्री, अभिलाष शर्मा, गौरव कुमार और अनिल कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रांत मंत्री विशाल वर्मा ने कहा कि देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए असंख्य वीरों ने स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष किया, अपने प्राणों की आहुतियां तक दे दी जिसके परिणामस्वरूप ही स्वतंत्र भारत का स्वप्न साकार हुआ था। इन सब बलिदानों को याद करते हुए आजादी के 75 वर्षों का एहसास देश के लिए ऐतिहासिक पर्व है। स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में अलग–अलग आंदोलनों, बलिदानों तथा घटनाओं की अपनी–अपनी अहमियत और प्रेरणा है, जिन्हें याद करते हुए ही हमें आगे बढ़ना चाहिए। आजादी के पश्चात कुछ इतिहासकारों द्वारा देश की स्वतंत्रता के इतिहास को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। मात्र कुछ लोगों के ही आंदोलन के संघर्ष को ही दर्शाया गया। परंतु वास्तव में स्वतंत्रता संग्राम के अंदर असंख्य वीरों ने संघर्ष किया है अपने प्राणों की आहुतिया तक दी है। जिनका जिक्र हमें इतिहास में कहीं पर भी दिखाई नहीं पड़ता। स्वतंत्रता के आंदोलन में हिमाचल प्रदेश का भी विशेष योगदान रहा है। क्योंकि गुलामी के कालखंड में हिमाचल प्रदेश में भी अंग्रेजों की कई छावनीया विद्यमान थी। देश में प्रतिरोध रूपी घटित घटनाओं का दिग्दर्शन करते हुए हिमाचल प्रदेश में भी अनेकों वीर पुरुष स्वाधीनता आंदोलन के यज्ञ में कूदे थे। जिसमें से यदि ध्यान करें तो सूबेदार भीम सिंह, दरोगा बुद्धि सिंह, रामप्रसाद बैरागी, मानदास, सूरतराम, सरदुल, केशवराम जैसे असंख्य नाम निकल कर हमारे सामने आते हैं जो हिमाचल प्रदेश से संबंध रखते थे और जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में अपनी अहम भूमिका निभाई थी। परंतु विडंबना यह रही कि ऐसे महान पुरुषों की गाथाओं को इतिहासकारों ने सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया।

हम सभी का यह दायित्व बनता है कि हम अपने राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास, स्वाभिमान तथा बलिदान की परंपराओं से अपनी नई पीढ़ी को अवगत करवाएं। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं के लिए "भारत माता की जय" यह केवल एक नारा नहीं है बल्कि एक प्रतिबद्धता है भारत माता के लिए जीने की। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने 15 अगस्त के उपलक्ष्य पर हिमाचल प्रदेश के 7500 गांव में तिरंगा फहराने का जिम्मा उठाया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव में वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता एक सार्वजनिक स्थान तय करते हुए वहां पर तिरंगा फहराएंगे और साथ ही सामूहिक राष्ट्रीय गान गाया जाएगा तथा भारत मां के जयघोष के साथ महान बलिदानों को याद करते हुए भारत माता के वीर सपूतों को याद किया जाएगा।

यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश के 7500 गांवों में एक ही समय पर शुरू होगा जिसका समय 10:00 बजे प्रातः निर्धारित किया गया है। एक कार्यक्रम में प्रत्येक गांव के पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों के परिवार तथा प्रत्येक आम नागरिक को आमंत्रित किया जाएगा।

हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राज्य के 18 वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बृहस्पतिवार को राज्य के 18 वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। हरियाणा राजभवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि शंकर झा ने बंडारू दत्तात्रेय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बंडारू दत्तात्रेय ने शपथ ग्रहण समारोह में आए महानुभावों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी बधाई स्वीकार की । इस दौरान हरियाणा आर्म्ड पुलिस की स्पेशल टुकड़ी ने राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

समारोह में राज्यपाल की पत्नी व राज्य की प्रथम महिला बंडारू वसंता, पुत्री बंडारू विजयलक्ष्मी और उनके परिवारजन व रिश्तेदार भी उपस्थित रहे।

बंडारू दत्तात्रेय केंद्र सरकार में तीन बार मंत्री और चार बार सांसद रह चुके हैं । उनका जन्म 12 जून, 1947 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद से बीएससी की डिग्री हासिल की। वे पहली बार 1991 में दसवीं लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इसके बाद वर्ष 1998 में वह सिकंदराबाद लोकसभा सीट से चुनाव जीते और केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री बने। वर्ष 1999 में हुए मध्यावधि चुनाव में फिर उन्होंने लोकसभा चुनाव जीता और केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री बने । वर्ष 2002 से 2003 तक वह केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रहे और वर्ष 2003 से 2004 तक उन्होंने केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री तथा गरीबी उन्मूलन (स्वतंत्र प्रभार) का कार्यभार संभाला।

बंडारू दत्तात्रेय ने वर्ष 2014 में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रम एवं रोजगार (स्वतंत्र प्रभार) का कार्यभार भी संभाला। वर्ष 2019 में वह हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल नियुक्त हुए।

इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल वी. पी. सिंह बदनौर, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री कंवर पाल, परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल, सहकारिता मंत्री बनवारी लाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओ पी यादव, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा, खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह, मुख्य सचिव विजय वर्धन, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डी. एस. ढेसी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल, राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, राज्यपाल के निजी सचिव कैलाश नागेश, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ओ. पी. धनखड़, हरियाणा के प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री रविन्द्र राजू समेत विभिन्न दलों के विधायक व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों एवं निकट संबंधियों में जिगनेश रेड्डी, बी. जनार्दन रेड्डी, बी. जयावाणी रेड्डी, एम. सत्यम यादव, एम. चैतन्य, एम. आश्रिता, एला स्वरूपा, एला आद्याश्री, संध्या, एला सादना, बंडारू शिवशंकर, एन. संतोष कुमार, नगमा, रोहित रेड्डी (साई), एला सार्थ बाबू, एला जया श्रेयस, सुरी वेंकटरमण, आर. महेश, भानू शंकर, नलिनी सुजाता, विभास, प्रणव आदि मौजूद रहे।

डायल 112 की गाड़ी परिवार के लिए बनी वरदान, साढ़े 3 साल के बिछड़े बच्चे को परिजनों से मिलवाया

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा 12 जुलाई को पंचकूला से शुरू की गई हरियाणा पुलिस की डायल–112 सेवा टोहाना, जिला फतेहाबाद के एक परिवार के लिए वरदान साबित हुई है। इस गाड़ी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों की तुरंत कार्यवाही की बदौलत अपनों से बिछड़े एक बच्चे को उसके परिजनों से मिलवाया गया।

बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने इसके लिए पुलिस का आभार जताया।

ष्णा कालोनी, टोहाना निवासी अवतार सिहं किसी काम से घर से बाजार के लिए निकले थे। इसी दौरान उनका करीब साढ़े 3 वर्षीय पोता भी उसके पीछे घर से निकल गया और रास्ता भटककर बाजार में पहुंच गया। उसी समय डायल–112 की इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल–इनोवा गाड़ी जब बराड़ चैक के समीप पहुंची तो पाया कि कुछ लोग विचलित एक बच्चे को लिए खड़े थे। डायल–112 के स्टाफ ने जब बच्चे से उसके परिजनों बारे पूछा तो वह कुछ नहीं बता पाया।

इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल पर तैनात टीम बच्चे को थाने ले आई और आस–पास के इलाकों में इस बारे सूचना दी गई। बच्चे को ढूंढ रहे परिजनों को जब इस बारे सूचना मिली तो वे थाने में पहुंच गए और बच्चे को सकुशल पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

बता दें कि डायल 112 आपातकालीन सेवा के अंतर्गत प्रदेश में सभी थानों में दो–दो इनोवा गाड़ियां दी गईं हैं और यह शिकायतकर्ता द्वारा 112 नम्बर पर कॉल करने से मौके पर 15 से 20 मिनट में पहुंचती हैं। नागरिकों का कहना है कि इन गाड़ियों के आने के बाद से पुलिस की आम जगहों पर उपस्थिति और अधिक बढ़ गयी है।

सरकारी स्कूलों में और सहूलतें मुहैया करवाने के लिए 6.43 करोड़ रुपए मंजूर–विजय इंदर सिंगला

832 सरकारी स्कूलों के स्मार्ट क्लासरूमों में पेंट और अन्य नवीनीकरण कामों पर भी ख़र्चे जाएंगे 73.38 लाख रुपए – स्कूल शिक्षा मंत्री

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

स्कूल शिक्षा मंत्री पंजाब विजय इंदर सिंगला ने कहा कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के लिए लगातार ज़रुरी फंडों की व्यवस्था यकीनी बनाई जा रही है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि लगभग 13,000 सरकारी स्कूलों को स्मार्ट स्कूलों में तबदील करने के इलावा, राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की प्रभावशाली गतिविधियों के लिए अन्य सहूलतें देने और स्कूलों की छवि को आकर्षक बनाने का फ़ैसला किया है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट स्कूल प्रोजैक्ट के अंतर्गत राज्य भर के सर्वोत्तम स्कूलों में फाटकों के निर्माण और नवीनीकरण और रिसैपशन एरीए के निर्माण के लिए 6.43 करोड़ रुपए की राशि की ग्रांट को मंजूर किया गया है।

विजय इंदर सिंगला ने कहा कि हाल ही में नये स्मार्ट क्लासरूमों के लिए 117 करोड़ रुपए का बजट पहले ही मंजूर किया जा चुका है और अब शिक्षा विभाग की तरफ से 832 सरकारी स्कूलों के स्मार्ट क्लासरूमों के पेंट और अन्य नवीनीकरण कामों के लिए 73.38 लाख रुपए की अतिरिक्त ग्रांट देने का फ़ैसला किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि विभाग की तरफ से सरकारी स्कूलों के अन्य 14,853 क्लासरूमों में इसी तरह के कामों के लिए भी जल्द ही 4.46 लाख की ग्रांट जारी की जायेगी। उन्होंने आगे कहा कि इन ग्रांटों के उचित प्रयोग के लिए समूह ज़िला शिक्षा अधिकारियों को ज़रूरी हिदायतें पहले ही जारी कर दीं गई हैं। शिक्षा विभाग की तरफ से ज़िला शिक्षा अधिकारियों को हिदायत की गई है कि वह स्मार्ट क्लासरूमों के दरवाजों और खिड़कियों पर पेंट और प्रोजैक्टरों की सुरक्षा सम्बन्धी ज़रुरी कामों को यकीनी बनाएं।

सिंगला ने बताया कि राज्य भर में से सबसे बढ़िया 735 सरकारी स्कूलों का चयन किया गया है और इन स्कूलों में रिसैपशन एरीए का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि रिसैपशन एरीए का प्रयोग माता–पिता और अन्य व्यक्तियों के लिए आतिथ्य और मीटिंग रूम के तौर पर किया जायेगा जिससे क्लासों को परेशान किये बिना उनको स्कूल में उपलब्ध सहूलतों के प्रति जागरूक किया जा सके।

हरियाणा में विवाह पंजीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 'विवाह पंजीकरण योजना' की शुरूआत

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा में विवाह पंजीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 'विवाह पंजीकरण योजना' की शुरूआत की गई हैं। इस योजना के तहत विवाह के 30 दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन करवाने वाले दंपत्ति को प्रोत्साहन स्वरूप 1100 रूपए व मिठाई का डिब्बा दिया जाता है। जो व्यक्ति 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' में कवर नही होते, उन्हें विवाह पंजीकरण योजना के तहत लाभ दिया जाता है।

इस बारे में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के अंतर्गत पात्रता की शर्ते पूरी करने वाले परिवारों की लड़की की शादी के लिए 51 हजार रूपए शगुन के रूप में सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए लड़की की आयु 18 वर्ष या इससे अधिक तथा लड़के की आयु 21 वर्ष या इससे अधिक होनी चाहिए। इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक को ऑनलाईन आवेदन करना होता है। उन्होंने इस योजना की पात्रता शर्तो के बारे में बताया कि अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति एवं टपरीवास जाति के बीपीएल परिवारों की लड़की की शादी के लिए 51 हजार रूपए की सहायता राशि दी जाती है।

विजीलैंस ने रिश्वत लेने के मामलां में 9 कर्मचारियों और 1 प्राईवेट व्यक्ति को किया काबू'

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से भ्रष्टाचार के विरुद्ध जारी मुहिम दौरान जून महीने में अलग–अलग तरह के रिश्वतखोरी के 8 मामलों में 9 सरकारी कर्मचारियों और 1 प्राईवेट व्यक्ति को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया गया जिसमें पुलिस के 3 मुलाज़ीम और राजस्व विभाग के 2 कर्मचारी शामिल हैं। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए चीफ़ डायरैक्टर–कम–डी.जी.पी. विजीलैंस ब्यूरो पंजाब श्री बी.के. उप्पल ने कहा कि ब्यूरो ने इस अरसे दौरान सरकारी कर्मचारियों और अन्यों के दरमियान हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार के ख़ात्मे के लिए ठोस कोशिशें की हैं।

उन्होंने बताया कि ब्यूरो ने पिछले महीने अलग–अलग अदालतों में विजीलैंस की तरफ से दर्ज 12 मुकदमों में चालान दाख़िल किये गए।

गांवों में लगाये जायेंगे सोलर स्ट्रीट लाइट और सीसीटीवी

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटिंग के लिए पारंपरिक बिजली पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से चालू वित्त वर्ष में 21 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सोलर स्ट्रीट लाइट और सोलर हाई मास्ट लाइट प्रदान करेगा। इसके साथ ही सुरक्षा बढ़ाने और गांवों में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विभाग हाई मास्ट लाइट के साथ सोलर सीसीटीवी भी उपलब्ध कराएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, पीके दास ने बताया कि अपनी मांग आधारित एसपीवी स्ट्रीट लाइटिंग कार्यक्रम के तहत नवीन एवं नवीकरणीय विभाग ने 4 करोड़ रुपये की सब्सिडी का प्रावधान किया है। विभाग द्वारा 12 वाट की 5000 एलईडी सोलरस्ट्रीट लाइट सिस्टम 4000 रुपये की दर से उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसके साथ ही 88 वाट की एलईडी और सीसीटीवी के साथ 1000 सिस्टम 20000 रुपये की दर से उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि प्रति सोलर स्ट्रीट लाइट अनुमानित लागत 14,000 रुपये है जबकि सोलर हाई मास्ट लाइट की लागत प्रति सिस्टम 1,40,000 रुपये है।

उन्होंने बताया कि योजना को लागू करने के लिए आपूर्ति एवं निपटान विभाग, हरियाणा द्वारा उपरोक्त प्रणालियों की आपूर्ति और स्थापना हेतु अनुबंध की व्यवस्था के लिए ई–निविदा जारी की गई है।

उन्होंने बताया कि ये सिस्टम अतिरिक्त जिला उपकयुक्तों कम मुख्य परियोजना अधिकारियों द्वारा चयनित गांवों में स्थापित किये जाएंगे।

पीएसपीसीएल ने तुरंत प्रभाव से उद्योगों के लिये बिजली के प्रयोग संबंधी लागू प्रतिबंधों को किया नरम

ज्यादा छूटें देने के लिए तीन दिनों के बाद पुनः की जायेगी हालात की समीक्षा

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

तलवंडी साबो थर्मल प्लांट की बंद पड़ी बिजली उत्पादन यूनिटों में से एक के फिर से शुरू होने के कारण बिजली सप्लाई की स्थिति में मामूली सुधार होने से राज्य सरकार ने सोमवार को निरंतर बिजली का उपयोग करने वालों उपभोक्ताओं को छोडक़र बाकी औद्योगिक उपभोक्ताओं पर तुरंत प्रभाव से सभी बिजली रेगुलेटरी प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया है।

इस संबंधी जानकारी देते हुए पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन–कम–मैनेजिंग डायरैक्टर (सीएमडी) ए वेणु प्रसाद ने कहा कि मध्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में आने वाले जिलों के सभी औद्योगिक उपभोक्ताओं को आज से पूरी क्षमता से काम करने की आज्ञा दे दी गई है। केवल कपड़ा उद्योगों, रसायन उद्योगों और कताई मिलों सहित कंटीन्यूअस प्रोसेस इंडस्ट्रीज़, जो चौबीसों घंटे काम करते रही हैं, को अब पहले से लागू प्रतिबंधों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि इन दिशा–निर्देशों की तीन दिन बाद एक बार फिर से समीक्षा करके नए सिरे से फैसला लिया जाएगा।

गौरतलब है कि बिजली की मांग में हुयी अप्रत्याशित वृद्धि के कारण, पीएसपीसीएल ने अस्थायी कदम के तौर पर राज्य के औद्योगिक उपभोक्ताओं पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को और धान के बीजाई के लिये कृषि क्षेत्र को 8 घंटे बिजली सप्लाई प्रदान की जा सके । प्रवक्ता ने बताया कि कि कंटीन्यूअस प्रोसेस इंडस्ट्रीज को अब 50 प्रतिशत कंटीन्यूअस प्रोसेस लोड के साथ काम करने को कहा गया है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि विभाग ने बढ़ी मांग के बावजूद छोटे और दरमियाने सप्लाई वाले औद्योगिक उपभोक्ताओं, चावल के शैलरों, पशु चारा बनाने वाली यूनिटों, कॉल सेंटरों, मशरूम फार्मों, खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों और अन्य आवश्यक वस्तुओं वाले उद्योगों /सेवाओं पर शुरू से ही कोई प्रतिबंध नहीं लगाया था।

पंजाब में 99,834 छोटे पावर औद्योगिक उपभोक्ताओं के अलावा 30,176 मध्यम बिजली उपभोक्ता हैं जिन पर घरेलू क्षेत्र में बिजली की बढ़ती मांग के बावजूद किसी भी तरह का उपयोग प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। बिजली की मांग को पूरा करने के लिए, बड़े आपूर्ति उपभोक्ताओं (संख्या में 5071) जो 1000 केवीए एससीडी का उपयोग करते हैं को दिन में 12 घंटे के लिए 100 केवीए का उपयोग करने के लिए कहा गया था। लार्ज स्पलाई आर्क फर्नेसिस, जिनमें से 282 राज्य में कार्यशील हैं, को केवल 5 प्रतिशत एससीडी तक सीमित कर दिया गया था।

प्रवक्ता ने कहा कि टीएसपीएल प्लांट में खराबी के बावजूद, पीएसपीसीएल ने 1 जुलाई को 3066 लाख यूनिट की अब तक की सबसे अधिक बिजली की मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। इस दिन की मांग ने राज्य में एक ही दिन में 3018 लाख यूनिट बिजली की मांग के पहले रिकॉर्ड को पार कर लिया था।

सम्पादकीय

खत्म हो राजद्रोह कानून

आंकड़े बताते हैं कि 2016 से 2019 के बीच राजद्रोह कानून के तहत चलाए जाने वाले मुकदमों की संख्या में 160 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं इस दौरान दोषी पाए जाने वाले मामलों का अनुपात भी 33.3 फीसदी से घटकर 3.3 फीसदी पर पहुंच गया। यानी इन मुकदमों में सजा बहुत कम लोगों को हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने संदेश दिया है कि राजद्रोह से जुड़े औपनिवेशिक दौर के कानून का आज कोई औचित्य नहीं है। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि इस सरकार ने औपनिवेशिक दौर के बहुत से कानूनों को खत्म किया है, लेकिन पता नहीं राजद्रोह कानून पर इसकी नजर क्यों नहीं पड़ रही है। इस सवाल में सचमुच दम है कि आखिर अंग्रेजों द्वारा लाया गया यह कानून, जिसका इस्तेमाल महात्मा गांधी और लोकमान्य तिलक जैसे महापुरुषों की आवाज दबाने के लिए किया गया, अब तक क्यों बचाए रखा गया है। महात्मा गांधी पर 1922 में राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज हुआ, तब उन्होंने कहा था, 'सेक्शन 124ए के तहत मुझ पर केस दर्ज हुआ है। इंडियन पीनल कोड की जिन राजनीतिक धाराओं का इस्तेमाल नागरिकों की आजादी को दबाने के लिए किया जाता है, उनमें इस धारा को शायद राजकुमार जैसी पदवी मिली हुई है।' 1962 में केदार नाथ बनाम बिहार सरकार में शीर्ष अदालत ने राष्ट्रद्रोह कानून को लेकर बड़ी बात कही थी। उसने स्पष्ट किया था कि सरकार विरोधी बयान के बाद अगर बड़े पैमाने पर कानून–व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश नहीं होती है तो इस धारा के इस्तेमाल से बचा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इसकी नजीर भी पेश की। खालिस्तान समर्थक बलवंत सिंह ने भारत से अलग होने के लिए सिखों से हथियार उठाने की अपील की थी, लेकिन उसके बयान के कारण हिंसा नहीं हुई। इसलिए अदालत ने उसे बरी कर दिया। शीर्ष अदालत की इन नजीरों से भी इस कानून के दुरुपयोग में कमी नहीं आई है।

आंकड़े बताते हैं कि 2016 से 2019 के बीच राजद्रोह कानून के तहत चलाए जाने वाले मुकदमों की संख्या में 160 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं इस दौरान दोषी पाए जाने वाले मामलों का अनुपात भी 33.3 फीसदी से घटकर 3.3 फीसदी पर पहुंच गया। यानी इन मुकदमों में सजा बहुत कम लोगों को हो रही है। इसके अलावा कुछ और कानूनों का भी दुरुपयोग हो रहा है। नैशनल सिक्यॉरिटी एक्ट यानी एनएसए और अनलॉफुल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट यानी यूएपीए जैसे कानूनों पर भी सवाल उठे हैं। इनके तहत गिरफ्तार किए गए कई लोग वर्षों सुनवाई का इंतजार करते रह जाते हैं। कानून की कड़ी धाराएं जमानत मिलना मुश्किल बना देती हैं। लिहाजा आरोपों की सचाई सामने आने से पहले ही उन्हें लंबी अवधि तक तरह–तरह के कष्ट झेलने पड़ते हैं। ऐसे मामलों में बरसों बाद अभियुक्त के बाइज्जत बरी हो जाने के बावजूद यह सवाल नहीं पूछा जाता कि आखिर सबूत न होने पर भी ऐसी धाराएं क्यों लगा दी गईं? आतंकवाद जैसी समस्याओं के मद्देनजर इन कड़े कानूनों की जरूरत भी है, लेकिन इनका दुरुपयोग रोकना भी उतना ही जरूरी है।

कामवाली बाई चली गई

आज मैं आप को बड़ी दिलचस्व कहानी सुनाने जा रहा हूं।
की आज हम कितने पराधीन और कामचोर हो गए हैं। इस कहानी में देखने को मिलेगा कल शाम जब मैं अपनी सोसायटी यानी अपने घर पहुंचाद्यतो कुछ रमनिया बड़े निराश भाव से ओर घबराई हुई जिनके चहरों पर हवाइयां उड़ रही थी।
सभी एक दूसरे से धुसर –पुसर बातें कर रही थी। कुछ समय हुआ कुछ और मित्र बाहर आए मैने पड़ौसी मित्र से पूछा क्या हुआ हैं ?जबाव में उन्होंने कहा पता नहीं इतने में उनकी पत्नी आईं जिनका मूड कुछ खिन्न दिख रहा था। महाशय ने पूछा आज इतनी टेंशन क्यों हैं? अनमने ढंग से जबाव मिला।
आज कामवाली बाई चली गई!
जैसे ही हमनें सुना सत्यानाश बहुत बुरा हुआद्यईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें!
इस बात को सुनकर बहन जी का मुंह लाल हो गया और बोली एक तो बिचारी चली गई उपर से आप कुछ भी बके जा रहे होद्य
मैंने पूछा जी फिर क्या हुआ?
उन्होंने बताया कि अब वो अपने गांब चली गई।
मैंने कहा ओह!
उन्होंने इस तरह से बयान किया माना बहुत बड़ी आफ़त आ गई हो।
मेरे मित्र महाशय बोले इस में इतना घबराने कि क्या जरूरत हैं। कामवाली बाई और मिल जाएगी
इतने में महिलाओं का दलवल हमारे सामने आ जाता हैं। और चारों ओर चारों तरफ़ से घेर लिया जाता हैं।
अब तो बोलना चालू तुम्हें !क्या पता? घर में कितने काम होते हैं। बिना कामवाली बाई के ये सब कितना मुश्किल है। बस आप हैं कि ऑर्डर दे देते हैं। गरम चाय, पकौड़े, गरम खाना ,साफ –सफ़ाई जाने कितने काम चंद कुछ मिनटों में सुना डाले।
सभी एक दूसरे का साथ देती नज़र आई। मैं और मेरा मित्र ऐसे खड़े थे जैसे हमनें कोई बहुत बड़ा अपराध कर दिया हो हम कातर भाव से देखते रहेद्य
ये कहा फस गए खेर मेरे मित्र ने मशखरी करते हुए कहा अच्छा ही हैं ना वैसे भी कोरॉना चल रहा हैं कुछ पैसों कि बचत होगी दूसरा व्यायाम का अच्छा मौका मिलेगा
कामवाली बाई चली गई ये अच्छा हुआ। उनकी धर्मपत्नी उन्हें शेरनी कि तरह घूरने लगीं।
मैंने कहा बहन जी गुस्सा क्यों होती हो सही तो कह रहे हैं चलो आप अकेले परेशान मत होना आज से हम भी काम में हाथ बताएंगे। प्रतिउत्तर में जबाव मिला लो जी अब ये गढ़ तौड़ेंगे अब तक तो पानी का गिलास भी मेज़ पर पहुंचता था।
हम..... हूं
बातों को दौर कुछ इसी तरह चलता रहा पर किसी ने यह नहीं पूछा आख़रि कामवाली बाई क्यों चली गई?
पूछने पर एक बहन ने बताया कि उसके पति का काम छूट गया हैं द्यऔर वो अब यहां नहीं रह पाएंगे। क्योंकि इधर महंगाई कि मार बहुत हैं उधर नौकरी भी छूट गई इसलिए हम अपने गांव जा रहे हैं। ओह! असली बजह अब सामने आई।
वो बोले जा रही थीं कि कैसे कैसे लोग हैं इस विकट परिस्थिति में भी उसके पति को काम से निकाल दिया।
उफ़ ! हमनें कहा बिल्कुल सही बात हैं उसके मालिक को ऐसा नहीं करना चाहिए था। परन्तु कामवाली बाई के पति कि क्या बात करें इस महामारी में जाने कितने लोगों के घर बिखरे हैं।
हम ये सब सोच बहुत दुःखी हुए ख़ैर "जोई होई सोई राम रच रखा"
सब अपने अपने घरों में चलें गए परन्तु यहां तो किसी का सुख चैन छीन गया।
दोस्तों हम सब अपना– अपना काम भी करलेंगे पैसे की बचत भी होगी। परन्तु इस बात से मन भी दुखी हुआ कि एक घर वापस लौट गया उसकी रोज़ी छीन गई। ये अच्छा नहीं हुआ।
ख़ैर
सभी इसी चिंता में अपने अपने घरों में चलें जाते हैं। और भीड़ बिखर जाती हैं।

'विक्रम मिल्की बाबूलाल शर्मा'
"हिमालयन अपडेट"
सह प्रभारी गुजरात

शब्द

शब्द–शब्द है अनूप
शब्द बनते छाँव– धूप
कभी लगें मरहम से ये
कभी धरते तीर कमान का रूप

कभी चोट इनकी सही न जाए
कभी मिठास इनकी कही न जाये
कभी शब्द पीड़ा , शब्द घाव
कभी शब्द ही बढ़ाते लगाव

शब्द बनते कविता कथा
कहते हैं मन की व्यथा
शब्द हर्ष हैं कभी हैं विषाद
रचते कितनें स्वर्णिम गाथा

शब्दों का अद्भुद संसार
बुनते हैं इक माया जाल
जुड़ जाएं जो शब्दों से शब्द
प्रकट दिखता कल्पना जगत

शब्द ही करते सृष्टि
करते हैं अमृत वृष्टि
शब्दों की बड़ी तेज़ धार
शब्द ही करें संहार

शब्द कहिए तोल तोल
अर्थ का अनर्थ करते हैं बोल
शब्द न बनें अपशब्द कभी
वरना देंगे हर रिश्ते को तोड़

शब्दों का सदा रखिये ध्यान
शब्द दिलाते हैं सम्मान
शब्द जो लें अपनें सुधार
न होगा कभी भी तिरस्कार

-रीना सिन्हा रांची, झारखंड

चीत्कार

चारों तरफ देखो मचा,कैसा ये हाहाकार है।
आज हर किसी के जीवन में फैला अंधकार है।

जीवन का दिखे नहीं,दूर दूर तक कोई सार है।
हो गयी दुनिया मतलबी करती मौत का व्यपार है।

फंसी हर किसी की नैया,कैसा ये मझधार है।
बचा ले जीवन को कहाँ छुपा पतवार है।

मौत का ही देखो,बज रहा हर तरफ झंकार है।
चारों दिशा में सुनो गूंज रहा चीत्कार है।

बचा ले जीवन तेरा कौन सा इस युग में अवतार है।
थक गया इंसान प्रभु आ जाओ करुणा भरी पुकार है।

-दीपक कुमार डिम्पज़

प्रकृति का हाल

नियम तो है ही जीवन में
पर कोई चले तो मैं मानूं
बनाए तो जाते हैं निभाने के लिए
फिर नियमों को क्यों तोड़ा जाता है
प्रकृति भी एक नियम है
उसके भी अपने कदम है
फिर उसके नियमों को क्यों लांघा जाता है...

पीने को पानी जीने को सांसे
प्रकृति ही तो देती है
मगर कोई तो बताए
देन उसकी है तो उसी से
सब क्यों छीना जाता है.....

रोशनी को दिन सोने को रात
रहने को जमीं भी उसकी है
फ़िर ऐसी गलती क्यों
कि जिससे प्रकृति की आंखें नम है।

-प्रीति शर्मा
लद्दा, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

वो डूब रहा

वो डूब रहा !!!!
वो डूब रहा ,धीरे धीरे,
इक नीरवता सी फैल रही,
इक मायुसी सी तैर रही,
धुंधलके साये में लिपट रहा,
संपूर्ण भुवन, धीरे धीरे.....
वो डूब रहा धीरे–धीरे.....

वो जो अबतक था अकड़ा,
तेज में अपनी सबको जकड़ा।
कुछ पल पहले धधक रहा था जो,
होकर धुमिल छुपने अब चला है वो।
है थका सा ,बुझा सा,निस्तेज बड़ा,
पर ,अब भी उसकी हल्की आभा में,
जग हो रहा सिंदूरी धीरे धीरे.....
वो डूब रहा धीरे–धीरे.....

इस सिंदूरी छटा बिना,
कल्पना सांध्य की है अधूरी ।
खुद छुपकर वो प्रचंड प्रभाकर,
बता रहा शशि की महिमा पूरी।
दे यामिनी की सौगात हमें,
हो दूर चला धीरे धीरे.....
वो डूब रहा धीरे–धीरे.....
कल फिर उसकी स्वर्णिम आभा से,
जगमग जग हो जाएगा।
टूटेगी निद्रा तन्द्रा सबकी,
संपूर्ण सृष्टि होगी फिर गतिमय ।
निशा–उषा की इस आँखमिचौली में,
अपनी ही धूरी पे घूम रही,
है क्षिति धीरे धीरे.....
वह डूब रहा धीरे –धीरे.....

यह उदय अस्त का चक्र हमें,
जीवन का पाठ पढ़ाता है।
व्यर्थ है तेरा इतराना,
निज के कीर्तिमानों पर।
रश्क न कर बल पे अपने,
जीर्ण शीर्ण होगी,इक दिन काया।
ढलेगी उम्र तेरी भी धीरे धीरे.....
वह डूब रहा धीरे –धीरे.....

-रश्मि सिंह,
राँची, झारखंड

ग़ज़ल

हमारी ग़ज़ल या तुम्हारी ग़ज़ल है
ज़माने ने दिल में उतारी ग़ज़ल है

मुसाफ़िर मुहब्बत की राहों का जो है
उसी ने ही दिल से निखारी ग़ज़ल है

नहीं छेडिएगा ये नाज़ुक बदन है
कि लफ़्ज़ी शरारत से हारी ग़ज़ल है

लिए अक्स है वक़्त के आईने का
ये ज़ख़्मी दिलों की दुलारी ग़ज़ल है

बहुत सोचकर उसने दी ये विधा 'जय'
वो जिसने धरा पर उतारी ग़ज़ल है

डॉ जयसिंह आर्य

सभी दर्द का इलाज है ,मेरे प्यारे दोस्तों। ..
दो,किस्से सुन लो ,दो घडी हँस लो....
कभी दिल की बाँतें जी भर कर लो। .
हालात जिंदगी के निखर गये ,उभर गए
कश्ती थामे जिंदगी नैया पार हो रही थी
न जाने कोरोना आये कहींसे
दर्द जीवन भर का दे गया
मेरे दोस्त भी उड़ा ले गया
मेरे हसने कि ,चैन सुकून कि
मेरे दवा उड़ा ले गया ,मेरी दवा उड़ा ले गया

-अर्चना गोन्नाडे
नागपुर, महाराष्ट्र

वक्त गुजर जाता है

वक्त ही तो था जो मेरा कल था,
बस वक्त कैसा भी हो गुजर ही जाता है।
बुरा वक्त तब और बुरा हो जाता है,
जब अपना कोई साथ नहीं होता है।।
बस वक्त कैसा भी हो गुजर ही जाता है...
ऐसे में कई बार फिसली, तो कहीं लड़खड़ाई।
कहीं मेरे गिरने पर, अपने भी मुस्कराएँ।
बार–बार गिरना, फिर गिरकर संभलने
का प्रयास यूँ ही करती गई।।
बस वक्त कैसा भी हो बस गुज़र ही जाता है...
न कोई मंजिल, न कोई ठिकाना,
बस यूँ ही आगे चली जा रही थी।
तरसती निगाहें, तड़पती ये आहे, गुमसुम–सी राहें,
शायद मुझसे कुछ कह रही थीं।
बस वक्त कैसा भी हो गुजर ही जाता है...
पहाड़–सी ज़िन्दगी सामने पड़ी थी,
तिस पर भी एक जान मैं लिए फिर रही थी।
कैसे मैं खुद को क्या कह समझाती,
धधकती–सी ज्वाला लिए फिर रही थी।
बस वक्त कैसा भी हो गुजर ही जाता है...
जीवन में एक वक्त ऐसा भी आया,
निराशा ही निराशा बस नज़र आया।
ऐसे में वक्त ने मुझकों जीना सिखाया।
मानव जीवन का महत्त्व बतलाया।
बस वक्त कैसा भी हो गुज़र ही जाता है...

-डॉ. मधु मिश्रा
हिमालयन अपडेट
अध्यक्षा, गुजरात

कर्म किए बिना मिले ना रोटी

कर्म प्रधान विश्व करि राखा।
जो जस करहिं सो तस फल चाखा।।

गोस्वामी तुलसीदास ने भाखा।
श्रीराम चरित मानस रचना में भाखा।।

कर्म सभी को अपना है करना।
छोटा बड़ा न कोई सब को ही करना।।

जाति वर्ण चाहे कुछ भी होये।
कर्म से उसकी पहचान जगत में होये।।

कर्म देव दानव सब ही हैं करते।
कर्म के कारण ही सुर असुर हैं कहते।।

मनुष्य को ऐसा कर्म है करना।
मोक्ष मिले ये भवसागर पार है करना।।

कर्म किये बिना मिले ना रोटी।
आटा गूँथे बेले सेंके बिन बने न रोटी।।

पक्षी कर्म करें व घोसले बनायें।
अंडे दे के सेवें अपने बच्चे को रखायें।।

किसान कर्म कर अन्न उपजायें।
अन्न फल सब्जी सब तब हम सब पायें।।

कर्म से होते हैं कुछ लोग योगी।
अपने जीवन में कभी बनते नहीं भोगी।।

कर्म से अपने पाप पुण्य हैं होते।
फल पाते तो कुछ सुख भोगें कुछ रोते।।

कर्म न होता कोई छोटा महान।
कर्म से लोग जाने दुनिया सकल जहाँन।।

कर्म है डाकू के आये उसे ज्ञान।
लिखता रामायण है बने बाल्मीक महान।।

कर्म बालि का देखें बुरी नजर।
क्रिश्किन्धा नरेश जो थे हुआ है क्या हश्र।।

कर्म करें धर्म संगत जो ना बुरा।
ईश्वर सब देखता है कभी होगा न तेरा बुरा।।

-डॉ.विनय कुमार श्रीवास्तव
वरिष्ठ प्रवक्ता–पी बी कालेज,
प्रतापगढ़ सिटी, उ.प्र.

आया सावन झूम के

आया सावन झूम के
गीत खुशी के गाने दो
मत रोको आज मुझे
पिया के रंग रंग जाने दो।
हाथों में मेहंदी बालों में गजरा
पैरों में महावर सजाने दो
ओढ़ के सर पे धानी चुनरिया
पिया के घर जाने दो
आया सावन झूम के
गीत खुशी के गाने दो।
मन में प्रेम फुहार फूट पड़ी है
तन में विरह की आग लगी है
पिया के गले लग जाने दो
गीत खुशी के गाने दो।
शिव भोले का पूजन कर
अखंड सौभाग्य पाने दो
आया सावन झूम के
गीत खुशी के गाने दो।

-सुनील कुमार
जिला– बहराइच,उत्तर प्रदेश।

अमीरी की झलक

आओ अमीरों की तुमको,
इक झलक दिखाते हैं।
धरती पर नहीं कदम रखें,
"ओडी " में आते हैं।।

निज बच्चे आया के हवाले,
खुद कुत्ते – बिल्ली को पाले।
पकड़ के पट्टा रोज सुबह,
पार्कों में घुमाते हैं।
आओ अमीरों की तुमको,
इक झलक दिखाते हैं।।

रेस्टोरेंट्स में करें नाश्ता,
चाट पकौडे और पास्ता।
बैठ के बार में बीयर पीते,
और पिलाते हैं।
आओ अमीरों की तुमको,
इक झलक दिखाते हैं।।

नहीं गरीब से कोई भी रिश्ता,
खुद को समझें एक फरिश्ता।
घर में नौकर–चाकर पे भी,
रौब दिखाते हैं।
आओ अमीरों की तुमको,
इक झलक दिखाते हैं।।

पता नहीं, जीते किस भ्रम में,
मात पिता को छोड़ आश्रम में।
टिकट विदेश का कटवाकर ,
प्लेन से ये उड़ जाते हैं।
आओ अमीरों की तुमको,
इक झलक दिखाते हैं।।'

-दीन दयाल शुक्ला
जयपुर, राजस्थान

पूर्वाग्रह

हमने समझा जिसे साधू
वो तो शैतान निकला,
दुत्कारा था जिसे उस दिन बहुत
इंसानरुपी वो तो भगवान निकला।
आँखें खूल गयीं मेरी
उतर गया पूर्वाग्रह का बुखार,
समझ एक झटके में आ गया मेरे
पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर
न किसी का आँकलन कर।
आप भी संदेश मेरा साफ सुन लो
पूर्वाग्रहों से दूरी बनाकर चलो,
पूर्वाग्रह से ग्रसित
किसी को बदनाम मत करो।
आँखें बंदकर न किसी पर
विश्वास ही करना,
बिना जाने ,बिना समझे,बिना परखे
किसी को दोस्त, दुश्मन
या हमदर्द न समझना।
सच कहूँ तो पूर्वाग्रह
ऐसी बीमारी है,
जो औरों पर शायद कम
हम पर ही पड़ती भारी है।

-सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उ.प्र.

आरम्भ

जब आया इस दुनियां में,
ममतामय अहसास हुआ।
अमृतरूपी जलपान से,
सुखद जीवन आरम्भ हुआ।।

किलकारी सुन मेरी माँ,
फूली नहीं समाई थी।
देख–देख क्रीड़ा मेरी
मन ही मन इतराई थी।।

स्लेट पेन्सिल शिक्षा आरम्भ,
नयनाभिराम वे क्षण थे।
क ख ग घ तो चलते–चलते,
खेल–खेल में बन जाते थे।।

दादा–दादी इठलाते,
पैरों में घुंघरू बजते।
आरम्भिक बाल्यावस्था में,
अपनी गोदी में रखते।।

रामबाबू शर्मा,
राजस्थानी,दौसा(राज.)

भौंकना

एक कुत्ता जब भौंकता है,
उसका साथ देने
उसकी भौंक में भौंक मिलाते है,
आस पास के और कुत्ते,
भौंकना संक्रामक है

मुख्य कुत्ते की भौंक
जब धीमी पड़ती
अन्य सारी भौंक भी शनै शनै थमने लगती
सांस लेने को,
कि भौंकना लगातार चलने वाली प्रक्रिया नहीं,
क्रिया की एक अवस्था भर है,

भौंकने की सबसे बड़ी खासियत है
उसका समवेत संगीत में चारों तरफ फेलना,
और अन्य सभी आवाजों को अपनी गूंज से दबा देना,
ताकि स्थापित रहे भौंक का साम्राज्य
मुंह के किनारे से निकलते नुकीले दांत
और गुर्राहट

-हरदीप सबरवाल

आओ प्रियतम मेरे नयना तेरी राह निहारें

कान्हा तेरे वियोग की पीड़ा राधा सह नहीं पाए
ह्रदय भरा अश्रुन से,पर नयनन से बह ना पाए
मन केवल दर्शन को आतुर, बस तेरा नाम पुकारें
आओ प्रियतम मेरे नैना तेरी राह निहारे
विरह की अग्नि में हम ऐसे जलती
जल बिन मीन जैसे है तड़पती
यमुना का तट सूना हो गया है
निधिवन तुम्हे कान्हा ढूंढ रहा है
मधुर तान बांसुरी की बड़ी याद आये
सुंदर कोमल छवि तेरी मन को तड़पाये
मन केवल दर्शन को आतुर, बस तेरा नाम पुकारें
आओ प्रियतम मेरे नैना तेरी राह निहारे
माना ह्रदय में मेरे तुम वास करते
बंद करूँ अखियां तो दर्शन देते
पर क्या तुम्हे भी कान्हा याद में हूँ आती
विरह की पीड़ा क्या तुम्हे भी सताती
तुम तो हो ठाकुर मेरे में तुम्हरी दासी
तेरे प्रेम की सदा रहूं मैं प्यासी
पर क्या भगवन भी भक्त के लिए है तड़पता
प्रेम के धागे से वह भी क्या बंधता
अनेकों प्रश्न ऐसे कान्हा मुझको सताए
होगा ह्रदय तृप्त जब तू सन्मुख आये
मन केवल दर्शन को आतुर, बस तेरा नाम पुकारें
आओ प्रियतम मेरे नैना तेरी राह निहारे

-नंदिनी लहेजा,
रायपुर(छत्तीसगढ़)

परिवार

नन्हा सा इक बालक बन कर जब इस सृष्टि में आया
सर्वप्रथम मैया की गोद ने स्वर्ग का अनुभव कराया
गर्भ की जलन में तपा था जो में भूल गया इक पल में
चारों तरफ अपनों को पाकर भुला सब कुछ क्षण में
मैया पापा दादा दादी नाना नानी सब मिलने आये
बुआ नज़र उतरे मेरी, चाचू खड़े मुस्काये
ये सब ही तो है परिवार मेरा जो मुझको मेरे घर ले आये
खूब लाढ़ प्यार से पला बढ़ा मै ,ड़ांट भी मैंने खाई
हर त्यौहार सब साथ मानते कितनी होली दिवाली आयी
हर सुख में सब साथ है होते,दुःख आता तो सब परेशान
एक सूत्र में सब बंधे हुए हर मुश्किल कर देते आसान
बड़ा हुआ में निकला घर से ,अपना नया अस्तित्व बनाने
छोड़ा अपने प्यारा परिवार ,जीवन में आगे बढ़ने
माना मित्रों का साथ मिला,फिर भी जीवन में कुछ तो खला
इक कमी थी जो कर रही थी घर को वीरान
पूरी हमसफर से फिर हुआ सब आसान
माँ पापा अब संग है हमारे परिवार बना अब खुशियां है
चाहे सब कुछ पा लो जीवन में,बिन परिवार तो सब ही अधूरा है

-नंदिनी लहेजा
रायपुर छत्तीसगढ़

हिमाचल अपनाएगा लंदन की तकनीक

चंडीगढ़–मनाली एनएच के ट्रैफिक से छुटकारा पाने के लिए बनाई जा रही योजना

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

चंडीगढ़–मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग–21 पर पंजाब के रूपनगर से लेकर बिलासपुर जिला से होते हुए मंडी की सीमा तक ट्रैफिक सिस्टम अब मेंटेन होगा। न ट्रैफिक की किचकिच रहेगी और न ही पर्यटकों को हादसे व लैंडस्लाइड होने से बंद हुए राजमार्ग के बारे में जानकारी न होने की वजह से घंटों जाम में फंसे रहना पड़ेगा।

लंदन की तकनीक को हिमाचल में अपनाया जाएगा जिसके लिए एक विशेष योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इस बाबत 22 जुलाई को बिलासपुर में एक अहम मीटिंग आयोजित की जा रही है जिसमें दिल्ली की नामी कंपनी के एक्सपर्ट्स जिला प्रशासन के साथ चर्चा कर अपनी प्रेजेंटेशन देंगे। ट्रैफिक जाम से निजात पाने के साथ–साथ लैंडस्लाइड व हादसे के बारे में झट से जानकारी उपलब्ध होगी। इसके लिए रूपनगर से लेकर मंडी की सीमा तक जगह–जगह डायनेमिक रोड साइन डिस्प्ले स्थापित किए जाएंगे जिनकी कनेक्टिविटी बिलासपुर मुख्यालय के कंट्रोल रूप के साथ रहेगी।

विदेशी तकनीक आधारित प्रोजेक्ट को स्थापित करने के लिए 22 जुलाई को एक अहम मीटिंग रखी गई है जिसमें दिल्ली की एक नामी फर्म के एक्सपर्ट शामिल रहेंगे। इस मीटिंग में ट्रक यूनियनों के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। दिल्ली की टीम डायनेमिक साइन बोर्ड पर अपनी प्रेजेंटेशन देगी। इसके बाद सर्वे रिपोर्ट के आधार पर अगली कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा

पंकज राय, जिलाधीश, बिलासपुर

कितने घंटें जाम मिलेगी जानकारी

लंदन की यह तकनीक कई देशों में सफल साबित हुई। हादसा होने या फिर अन्य कारणों से जाम लगने पर समय रहते पर्यटकों व अन्य लोगों को पता चल जाएगा तो वह अपने गंतव्य के लिए अन्य वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल कर सकेंगे। यही नहीं, यह भी जानकारी मिल जाएगी कि रास्ता कितने समय तक बंद रहेगा।

प्रदेश में जल्द लागू होगा नया मोटर व्हीकल एक्ट

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश में जल्द ही नया मोटर व्हीकल एक्ट लागू कर दिया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत जुर्माने की राशि में परिवर्तन किया गया है, जिसे हिमाचल ने भी अपना लिया है।

इस संशोधित अधिनियम में बढ़ी हुई जुर्माना राशि के साथ गंभीर अपराधों के लिए कारावास का प्रावधान भी शामिल है। परिवहन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि मोटर वाहन संशोधन अधिनियम, 2019 के प्रावधान की अनुपालना में प्रदेश सरकार द्वारा संशोधित जुर्माने की राशि के निर्धारण को प्रदेश मंत्रिमंडल ने पहले ही स्वीकृति प्रदान कर दी है और इसे आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण कर शीघ्र ही अधिसूचित किया जा रहा है, जो पूरे प्रदेश में प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने प्रदेश की जनता से आग्रह किया कि वे सड़क पर सुरक्षा एवं यातायात नियमों का गंभीरता से पालन कर सरकार के सुरक्षा संबंधी प्रयासों में पूर्ण सहयोग करें, ताकि नियमों की उल्लंघना से होने वाली क्षति पर अंकुश लग सके और ट्रैफिक नियमों की अनुपालना न करने पर होने वाली जुर्माने की राशि से असुविधा न हो।

मानसून में अब तक 145 मौतें

प्रदेश में प्राकृति आपदाओं के साथ विभिन्न हादसों का बने ग्रास 39 पक्के, 18 कच्चे मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त पीडब्ल्यूडी को 132, आईपीएच को 62 करोड़ की चपत

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश में मानसून रौद्र रूप दिखाने लगा है। राज्य में मानसून सीजन के दौरान अब तक 145 लोगों की मौत हो चुकी है। दो लोग अभी भी लापता चल रहे हैं। नदी–नालों के उफान पर आने सहित जगह–जगह भू–स्खलन के चलते राज्य में करोड़ों की चपत लगी है। एक माह में प्रदेश को 203 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। कागड़ा में आई प्राकृतिक आपदा में 12 लोगों की जान जा चुकी है। अभी भी दो लोग लापता चल रहे हैं। हमीरपुर में एक मौत सांप के काटने से हुई है। इसके अलावा 132 मौतें सड़क दुर्घटना, पहाड़ी से गिरने, बिजली के करंट व आग से झुलसने से हुई है। जिला बार आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए, तो मानसून सीजन के सबसे ज्यादा मौतें शिमला में हुई हैं।

शिमला में 25, कांगड़ा में 18, बिलासपुर में नौ, चंबा में 15, हमीरपुर में तीन, किन्नौर में चार, कुल्लू में 12, लाहुल–स्पीति में छह, मंडी में 17, सिरमौर में 16, सोलन में 13 और ऊना में सात मौतें हुई हैं। प्रदेश में भारी बारिश के चलते हुए भू–स्खलन से कई लोग बेघर हो गए। एक माह की अवधि में प्रदेश में बारिश के कारण 39 पक्के व 18 कच्चे मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं 33 पक्के मकानों के साथ–साथ 216 कच्चे मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। प्रदेश के विभिन्न स्थानो पर सात दुकानें भी पूरी से तहस–नहस हुई है। 199 गोशालाएं भी पानी की भेंट चढ़ी हैं, जिससे 339 गोवंश की मौत भी हुई है। प्रदेश में अगामी तीन दिनों के दौरान भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। अधिकांश स्थानों पर भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है, जो प्रदेश की जनता की परेशानियों को और बढ़ा सकता है।

जहां हुई दानिश की हत्या, वहां से खदेड़े तालिबानी, स्पिन बोल्डक छोड़ पाकिस्तान भागे आतंकी

कंधार, हिमालयन अपडेट

अफगान नेशनल सिक्यॉरिटी फोर्सेज ने स्पिन बोल्डक को तालिबान के कब्जे से छुड़ा लिया है। अफगानिस्तान सरकार के सूत्रों ने इस दावे की पुष्टि की है। स्पिन बोल्डक वही जगह है, जहां अफगान सुरक्षाबलों पर हमले में भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की जान चली गई थी।

दानिश काफी वक्त से अफगानिस्तान में तालिबान के साथ बनी युद्ध जैसी स्थिति को कवर कर रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अफगान सैनिकों का भव्य स्वागत होता दिखाई दिया। एक और वीडियो में तालिबान लड़ाके भागकर पाकिस्तान जाते दिखे, जहां सीमा पार की सेना ने उनका 'स्वागत' किया। वहीं, तालिबान के स्थानीय कमांडर ने इन दावों का खंडन किया है। तालिबान के प्रवक्ता जबिउल्लाह मुजाहिद ने सड़क की गलियों पर तैनात लड़ाकों का वीडियो भी शेयर किया था। इससे पहले कंधार प्रांत के बाहरी इलाके पर बसे स्पिन बोल्डक को तालिबान ने 14 तारीख को कब्जे में ले लिया था। करीब 20 साल बाद यह तालिबान के चंगुल में फंस गया था।

24 घंटे में तीन जिलों पर फिर जमाया कब्जा

अफगानिस्तान के विभिन्न प्रांतों में तबिलान के साथ सुरक्षाबलों का संघर्ष जारी है। इस बीच अफगान सुरक्षाबलों ने पिछले 24 घंटों में तीन जिलों पर फिर से कब्जा कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अफगान राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षाबलों ने बामियान में सैघन और कहमर्द जिलों और निमरोज में चखनसुर पर फिर से कब्जा कर लिया है।

बामियान के राज्यपाल ताहिर जुहैर ने कहा कि एक अभियान में सुरक्षाबलों ने कुछ ही देर में जिलों पर फिर से कब्जा कर लिया और जिलों पर देश का झंडा फहराया गया है।

प्रदेश में तीन दिन भारी बारिश-तूफान; 20 जुलाई तक जारी किया अलर्ट

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश में तीन दिन भारी बारिश व तूफान कहर बरपाएगा। मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में 18 से 20 जुलाई को भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान अधिकांश स्थानों पर गर्जन के साथ भारी बारिश व तूफान चलने की चेतावनी जारी की गई है। 21 जुलाई को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में 23 जुलाई तक मौसम खराब बना रहेगा। राज्य के अधिकांश स्थानों पर वीकेंड पर मौसम के मिजाज बदले नजर आए। पहाड़ों पर दिन भर धूंध घिरी रही। हालांकि इस दौरान बारिश नहीं हुई, मगर दोपहर बाद शीतलहरों का प्रवाह शुरू हो गया था। ऐसे में लोगों को दिन के समय उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा।

अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री तक का इजाफा आया है। शिमला, सुंदरनगर, कल्पा, ऊना, सोलन, डलहौजी व केलांग के तापमान में गत शुक्रवार के मुकाबले बढ़ोतरी रिकार्ड की गई है। ऊना के अधिकतम तापमान में दो डिग्री, कल्पा, सोलन व केलांग के तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी आई है। इसके अलावा अन्य क्षेत्रों के तापमान में गत शुक्रवार के मुकाबले गिरावट आई है। यहां पर एक से तीन डिग्री तक पारा लुढ़का है।

प्रदेश में गत 24 घंटों के दौरान कुछ स्थानों पर बारिश हुई है। शाहपुर में सबसे ज्यादा 35 मिलीमीटर बारिश हुई है। इसके अलावा गुलेर में 12, पालमपुर में 10, धर्मशाला में चार और डलहौजी में एक मिलीमीटर बारिश हुई है। कम बारिश होने के चलते न्यूनतम तापमान में भी बढौतरी आई है। न्यूनतम तापमान में एक से तीन डिग्री तक का इजाफा आया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक प्रदेश में अगामी तीन दिनों के दौरान भारी बारिश होगी। 21 जुलाई को भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। जबकि प्रदेश में 23 जुलाई तक मौसम खराब बना रहेगा।

डीजीपी संजय कुंडू दिल्ली जाने की तैयारी में, सेंट्रल नार्कोटिक्स ब्यूरो के डीजी पद के लिए किया आवेदन

हिमाचल पुलिस महानिदेशक की कुर्सी छोड़ सेंट्रल नार्कोटिक्स ब्यूरो के डीजी पद के लिए किया आवेदन

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) संजय कुंडू दिल्ली जाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के बेहद करीबी संजय कुंडू डीजीपी की कुर्सी को छोड़ कर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाना चाहते हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने काडर क्लीयरेंस के तहत हरी झंडी भी प्रदान कर दी है। डीजीपी संजय कुंडू ने नाकोटिक्स सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) के डायरेक्टर जनरल पद के लिए आवेदन किया है। खास है कि संजय कुंडू की इस पद पर नियुक्ति के बाद हिमाचल के अगले डीजीपी को लेकर सबसे बड़ा संशय बन जाएगा। हालांकि डीजीपी संजय कुंडू ने अभी आवेदन किया है और हिमाचल सरकार ने एनओसी जारी कर दी है। अब नियुक्ति की गेंद केंद्रीय गृह मंत्रालय के पाले में है। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 1989 बैच के संजय कुंडू अगर नार्कोटिक्स सेंट्रल ब्यूरो के महानिदेशक बनते हैं, तो हिमाचल के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी।

इससे पहले हिमाचल के डीजीपी अश्वनी कुमार सीबीआई के निदेशक बन चुके हैं। हालांकि संजय कुंडू के बाद कौन? यह सबसे बड़ा सवाल राज्य सरकार के सामने भी खड़ा हो जाएगा। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि तीन साल पहले 20 जुलाई, 2018 को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे संजय कुंडू मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के सबसे भरोसेमंद अधिकारी है। सीएम की च्वाइस पर ही केंद्र सरकार ने संजय कुंडू को कुलिंग पीरियड पूरा होने से पहले हिमाचल आने की अनुमति दी थी। इसके चलते संजय कुंडू को मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त प्रधान सचिव लगाया गया था।

दिल्ली की तर्ज़ पर स्कूलों में सृजित हों टीजीटी कंप्यूटर साईन्स के पद

शिमला, हिमालयन अपडेट

दिल्ली की तर्ज़ पर हिमाचल प्रदेश के सभी कक्षा 6 से 10 वाले स्कूलों में टीजीटी कंप्यूटर साईन्स के पद सृजित किए जाएँ और इसके भर्ती नियमों में प्रावधान करते हुए प्रदेश में पहले से कार्यरत 1341 कंप्यूटर शिक्षकों की सेवाओं को भी टेकओवर किया जाए । नाईलेट कंपनी के तहत आऊटसोर्स आधार पर बीस साल से कार्यरत कंप्यूटर शिक्षकों को नियमित पदों पर सेवा का अवसर करने हेतु यह प्रावधान किया जाना आपेक्षित है ।

कंप्यूटर शिक्षा विषय को आज के युग में नियमित विषय के रूप में पढ़ाना अनिवार्य होना चाहिए और इस विषय के लिए टीजीटी के पद आज तक सृजित न किए जाने से बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा का ज्ञान कक्षा अनिवार्य विषय के रूप में एलीमेंटरी स्तर पर नहीं मिल रहा है । यह अपील मांग हिमाचल प्रदेश राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष मदन, प्रदेश महासचिव विजय हीर, स्टेट प्रतिनिधि संजय ठाकुर, देश राज ,संघ प्रचारक ओम प्रकाश , प्रेस सचिव पवन रांगड़ा ने प्रदेश सरकार से की है ।

संघ महासचिव विजय हीर ने कहा कि टीजीटी कंप्यूटर साईन्स को प्रवक्ता स्कूल न्यू कंप्यूटर शिक्षा के लिए 50 फीसदी पदोन्नति वाला फीडिंग काडर बनाया जा सकता है और वर्तमान में को प्रवक्ता स्कूल न्यू कंप्यूटर शिक्षा के पदों पर 100 प्रतिशत सीधी भर्ती हो रही है जबकि दो दशक से इस विषय को पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए किसी भी सरकार ने ठोस नीति नहीं बनाई जिसके चलते अधिकांश कंप्यूटर शिक्षक लंबे सेवाकाल के बावजूद नियमित पदों पर समायोजित नहीं किए गए हैं । कंप्यूटर साईन्स विषय को भी पढ़ाने हेतु भर्ती नियमित पदों पर होनी चाहिए व इसे किसी कंपनी के हवाले न किया जाए । वर्तमान में दिल्ली, उत्तर प्रदेश , तेलंगाना , तमिलनाडु ,सैनिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय समिति , डीएवी संस्थानों आदि में टीजीटी कम्प्यूटर के पद मौजूद हैं जबकि तमिलनाडु में प्राथमिक स्कूलों हेतु भी कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर पद भरे जा रहे हैं ताकि प्राथमिक स्तर से बच्चे कम्प्यूटर सीखें । ऐसे में शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत एलीमेंटरी स्कूल शिक्षा में कम्प्यूटर को एक वैकल्पिक विषय बनाना चाहिए । बच्चों से कंप्यूटर शिक्षा हेतु फीस वसूली भी आरटीई एक्ट के तहत निरस्त की जाए ।

प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी कंप्यूटर अध्यापकों के हितार्थ पॉलिसी बनाने के निर्देश दिए थे, लेकिन अभी तक उन निर्देशों को भी अमल में नहीं लाया गया है।

टीजीटी कला संघ खंड व जिला चुनाव 31 अगस्त तक

हिमाचल प्रदेश राजकीय प्रशिक्षित कला स्नातक संघ महासचिव विजय हीर ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में मानसून ब्रेक घोषित करने की वजह से संघ ने चुनावों के शेड्यूल में बदलाव किया है । खंड स्तरीय चुनाव 20 अगस्त और जिला स्तरीय चुनाव 31 अगस्त ,2021 तक पूर्ण किए जाएंगे । शिमला , चंबा , कुल्लू , किन्नौर आदि जिलों में चुनाव प्रक्रिया 31 अगस्त तक पूर्ण होगी ।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं 6, शॉप नं 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला–171009 से मुद्रित।
सम्पादक : अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 9882060099, email: himalayanupdate@gmail.com